www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 331 || अम्बेडकरनगर
गुरूवार
26 फरवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:34
सूर्यास्त: 06:05
अधिकतम: 29°00
न्यूनतम: 14°00

पेज 07

विशेष समाचार बच्चों पर ज्यादा दबाव और... >> पेज 04 | बरसाना में सखियों ने... >> पेज 06 | दीपिका कक्कड़ के 13 एमएम...

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पत्नी के साथ एयरपोर्ट पर रिसीव किया

पीएम मोदी 9 साल बाद पहुंचे इजराइल

मोदी ने एक्स पर लिखा 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू और श्रीमती नेतन्याहू द्वारा एयरपोर्ट पर स्वागत किए जाने से मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के इजराइल दौरे पर हैं। अब से थोड़ी देर में वे इजराइली संसद नेसेट को संबोधित करेंगे। ऐसा करने वाले मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे।

इससे पहले इजराइली PM बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान की धुन के साथ पीएम का स्वागत किया गया।

एयरपोर्ट पर ही PM मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की।

>> (शेष पेज 06 पर)

यहूदियों के नरसंहार से जुड़े स्मारक जाएंगे मोदी

दौरे के दूसरे दिन मोदी 26 फरवरी को इजराइल के ऐतिहासिक होलोकॉस्ट स्मारक 'यद वाशेम' जाएंगे। यह स्मारक जर्मनी में हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख से अधिक यहूदियों की याद में बना है। इनमें करीब 15 लाख बच्चे भी शामिल थे। स्मारक परिसर में पीड़ितों के नामों, दस्तावेजों और ऐतिहासिक अभिलेखों का विशाल संग्रह है। >> (शेष पेज 06 पर)

इजराइल की विशेष दूत बोलीं- अहम समय पर अहम दौरा

इजराइल की विशेष दूत फ्लेर हसन-नाहूम ने पीएम मोदी के दौरे को "अहम समय पर अहम दौरा" बताया है। तेल अवीव में उन्होंने कहा कि हालिया युद्ध के बाद भारत इजराइल का एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार बन सकता है। उन्होंने भारत-इजराइल के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर खुशी जताई और कहा कि इससे आर्थिक रिश्ते और मजबूत होंगे। हसन-नाहूम के मुताबिक अगर भारत और इजराइल साथ आते हैं, तो वे AI के भविष्य को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश भविष्य की तकनीक को जिम्मेदार साझेदारी में आगे बढ़ा सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

एयरपोर्ट पर मोदी से मुलाकात के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि पीएम मोदी और उनकी पत्नी का ड्रेस का रंग एक हैं।

भारत-इजराइल के बीच ड्रोन डील संभव

PM मोदी कल इजराइली प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान भारत और इजराइल के बीच ड्रोन की खरीद और जॉइंट मैन्युफैक्चरिंग समेत कई बड़े रक्षा समझौतों पर सहमति बन सकती है। फोर्ब्स इंडिया के मुताबिक 2026 में दोनों देशों के बीच 8.6 अरब डॉलर का रक्षा समझौता संभव है। >> (शेष पेज 06 पर)

आयरन डोम डिफेंस सिस्टम पर भी बात हो सकती है

इजराइल भारत के साथ अपने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम की टेक्नोलॉजी शेयर कर सकता है। यह जानकारी मुंबई में IANS को दिए इंटरव्यू में इजराइल के कॉन्सुल जनरल यानिव रेवाच ने दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी और कांग्रेस भारत-विरोधी ताकतों के हाथों की कठपुतली

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी भारत-विरोधी ताकतों के हाथों की कठपुतली बने हुए हैं।

यहां भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल नेआरोप लगाया कि गांधी परिवार एक समझौतावादी परिवार है और कांग्रेस समझौतावादी राजनीतिक दल है।

गोयल ने कहा, पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय से ही गांधी परिवार ने हमेशा देश के हितों से समझौता किया है।

गोयल ने आरोप लगाया कि गांधी ने भारत-विरोधी ताकतों के साथ हाथ मिलाकर राष्ट्रीय हित से समझौता किया है। गोयल ने आरोप लगाया कि गांधी और उनकी पार्टी देश की प्रगति को अस्थिर करने के लिए छोटी राजनीति खेल रहे हैं।

झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एससी से राहत

ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर लगाई रोक

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने निचली अदालत पर चल रही कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया। चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर ED को नोटिस भी जारी किया। सीजेआई ने इस दौरान हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि ED ने कई छोटे-मोटे मामलों में ज्यादा ध्यान दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, सीजेआई सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ED से कहा कि वह बड़े मामलों पर अपनी ऊर्जा लगाएं।

■ हेमंत सोरेन को ईडी के समन पर पेश होने के बाद गिरफ्तार किया गया था

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी के जापान दौरे में मिले मेगा निवेश प्रस्ताव

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में यूपी को सफलता : योगी

दौरा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के पहले दिन औद्योगिक निवेश को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। विभिन्न जापानी कंपनियों के साथ लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। जिन कंपनियों के साथ करार हुआ है उनमें कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, नागासे एंड कंपनी लिमिटेड, सीको एडवांस, ओएंडओ ग्रुप, फूजी जैपनीज जेवी और फूजीसिल्वरटेक कंक्रीट प्रा. लि. शामिल हैं। ये समझौते कृषि यंत्र निर्माण, औद्योगिक मशीनरी निर्माण, जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक प्रिंटिंग एवं ग्राफिक्स, हॉस्पिटैलिटी और रियल एस्टेट जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े हैं। इससे विनिर्माण क्षमता के विस्तार और औद्योगिक सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

11 हजार करोड़ के एमओयू पर हुए साइन

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

वरमाला के दौरान दुल्हन को युवक ने मारी गोली

बक्सर । बिहार के बक्सर में वरमाला के दौरान स्टेज पर दुल्हन को उसके प्रेमी ने गोली मारी और वहां से फरार हो गया। दुल्हन को सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी गंभीर हालत देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया गया है।

सुनवाई | निर्देश

'बड़े नेता-अफसर समुदाय विशेष को टारगेट नहीं कर सकते'

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे नेता-अफसर किसी समुदाय को धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर निशाना नहीं बना सकते। ऐसा करना संविधान के खिलाफ है। किसी भी माध्यम से समुदाय को बदनाम नहीं करने दे सकते। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने आगामी नेटफ्लिक्स क्राइम थ्रिलर घूसखोर पंडत पर 19 फरवरी को सुनवाई की थी। ये टिप्पणियां जस्टिस भुइयां ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली याचिका पर अपने अलग फैसले में कही थीं।

होली पर हवाई यात्रा महंगी

नई दिल्ली । होली के नजदीक आते ही हवाई किराए में फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। फ्लाइट टिकट बुक करने वाली वेबसाइटों पर बेंगलुरु और मुंबई जैसे शहरों से यूपी-बिहार की फ्लाइट्स के किराए में 3 गुना तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सबसे बुरा हाल बेंगलुरु से गोरखपुर और दिल्ली से पटना जाने वाले यात्रियों का है।

इंडिगो फ्लाइट में 200 से ज्यादा यात्री चार घंटे फंसे

पायलट भी उतरा, चेन्नई से सिंगापुर जाना था

नाराजगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । चेन्नई से सिंगापुर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E 1025 24 फरवरी को तकनीकी कारणों से करीब 5 घंटे लेट हो गई। इससे विमान में बैठे 200 से ज्यादा यात्री रनवे पर फंसे रहे। उन्होंने जानकारी के अभाव और एयर कंडीशनिंग की समस्या को लेकर भी नाराजगी जताई। घटना का वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में यात्री क्रू से टेक-ऑफ में देरी का कारण पूछते दिख रहे हैं। एक यात्री ने आरोप लगाया कि विमान के अंदर एयर कंडीशनिंग बार-बार बंद हो रही है, जिससे सांस लेने में दिक्कत हो रही है। एक अन्य यात्री ने कहा कि वे सुबह 7 बजे से इंतजार कर रहे हैं और उन्हें कोई जानकारी नहीं दी जा रही। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में दावा किया गया कि यात्री 4 घंटे से अधिक समय तक विमान में बिना वेंटिलेशन और खाना के बैठे रहे।

■ पैसेंजर्स बोले- एसी बंद, सांस लेने में दिक्कत

>> (शेष पेज 06 पर)

'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली एनसीईआरटी किताब की बिक्री पर रोक, सीजेआई ने कहा था- केस खुद देखूंगा

'न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं'

रोक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की आपत्ति के बाद 'ज्यूडीशियल करप्शन' चैप्टर वाली NCERT किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। NCERT के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी ANI से इसकी पुष्टि की। वहीं न्यूज एजेंसी PTI ने बताया कि NCERT किताब से विवादित हिस्सा हटाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, NCERT ने चैप्टर का सुझाव देने वाले एक्सपर्ट्स और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की इंटरनल मीटिंग बुलाई है। किताब को वेबसाइट से भी हटा लिया गया है। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में यह मामला उठाया था। सिब्बल ने CJI सूर्यकांत, जस्टिस विपुल एम पंचोली और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच को बताया कि क्लास 8 के बच्चों को न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में पढ़ाया जा रहा है।

यह पूरे ज्यूडीशियल इंस्टीट्यूशन के लिए चिंता की बात है। यह सोचा-समझा कदम लग रहा है। मैं किसी को भी, चाहे वे कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, इंस्टीट्यूशन को बदनाम नहीं करने दूंगा। मैं इस मामले पर खुद नोटिस ले रहा हूं।
- जस्टिस सूर्यकांत सीजेआई, सुप्रीम कोर्ट

>> (शेष पेज 06 पर)

किताब का वो हिस्सा जिसमें करप्शन और पेंडिंग केस का जिक्र

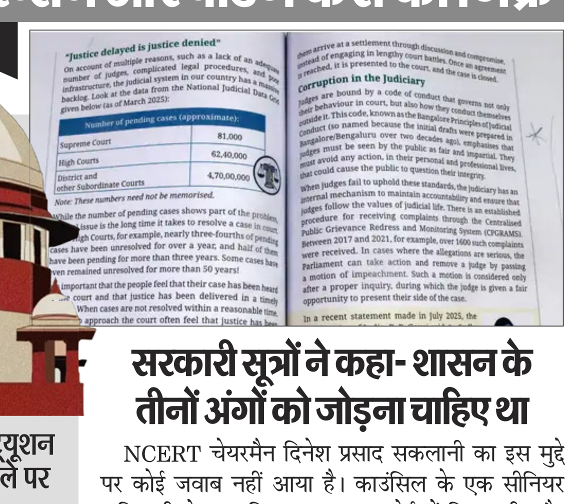

"Justice delayed is justice denied"
On account of multiple reasons, such as a lack of an adequate number of judges, complicated legal procedures, and poor infrastructure, the judicial system in our country has a massive backlog. Look at the data from the National Judicial Data Grid given below (as of March 2025):

Number of pending cases (approximate):	
Supreme Court	81,000
High Courts	62,40,000
District and other Subordinate Courts	4,70,00,000

Note: These numbers need not be memorised.

While the number of pending cases shows part of the problem, … issue is the long time it takes to resolve a case in court. … High Courts, for example, nearly three-fourths of pending cases have been unresolved for over a year, and half of them have been pending for more than three years. Some cases have even remained unresolved for more than 50 years!
… important that the people feel that their case has been heard … court and that justice has been delivered in a timely … When cases are not resolved within a reasonable time … approach the court often feel that justice has been …

… them arrive at a settlement through discussion and compromise, instead of engaging in lengthy court battles. Once an agreement is reached, it is presented to the court, and the case is closed.

Corruption in the Judiciary
Judges are bound by a code of conduct that governs not only their behaviour in court, but also how they conduct themselves outside it. This code, known as the Bangalore Principles of Judicial Conduct (so named because the initial drafts were prepared in Bangalore/Bengaluru over two decades ago), emphasises that judges must be seen by the public as fair and impartial. They must avoid any action, in their personal and professional lives, that could cause the public to question their integrity.
When judges fail to uphold these standards, the judiciary has an internal mechanism to maintain accountability and ensure that judges follow the values of judicial life. There is an established procedure for receiving complaints through the Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAMS). Between 2017 and 2021, for example, over 1600 such complaints were received. In cases where the allegations are serious, the Parliament can take action and remove a judge by passing a motion of impeachment. Such a motion is considered only after a proper inquiry, during which the judge is given a fair opportunity to present their side of the case.
In a recent statement made in July 2025, the …

सरकारी सूत्रों ने कहा- शासन के तीनों अंगों को जोड़ना चाहिए था

NCERT चेयरमैन दिनेश प्रसाद सकलानी का इस मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है। काउंसिल के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि मामला अब कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए वे इस मुद्दे पर कुछ भी नहीं बोलेंगे। इस बीच सरकारी सूत्रों ने कहा कि भले ही NCERT एक ऑटोनॉमस संस्था है, लेकिन चैप्टर जोड़ने से पहले अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए था। >> (शेष पेज 06 पर)

स्थानांतरण : सुरक्षा कारणों से जिला जेल से हाई-सिक्योरिटी जेल में स्थानांतरण

आजीवन कारावास पाए तीन बंदी भेजे गए नैनी सेंट्रल जेल

जिला जेल से नैनी सेंट्रल जेल तक हुए इस स्थानांतरण को प्रशासन की सतर्कता के रूप में देखा जा रहा है। मामले को लेकर जिले के राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा है, हालांकि अधिकारियों ने इसे नियमित सुरक्षा प्रक्रिया बताया है।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिला जेल में निरुद्ध कटेहरी के पूर्व ब्लॉक प्रमुख अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही समेत तीन सजायाफ्ता बंदियों को सुरक्षा कारणों से नैनी सेंट्रल जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रशासन ने यह कार्रवाई उच्चाधिकारियों के निर्देश पर की।

वर्ष 2016 के मंशाराम हत्याकांड में एएसजे-प्रथम न्यायालय ने अजय सिपाही, मुलायम यादव और अजय यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। निर्णय के बाद तीनों को जिला जेल में रखा गया था।

हाल में सुरक्षा व्यवस्था और संवेदनशीलता को देखते हुए तीनों बंदियों को कड़ी निगरानी में नैनी सेंट्रल जेल भेजा गया। स्थानांतरण की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की गई।

स्थानांतरण के दौरान पुलिस बल की तैनाती

सूत्रों के अनुसार बंदियों को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला जेल से नैनी जेल पहुंचाया गया। स्थानांतरण के दौरान पुलिस बल तैनात रहा।

जेल प्रशासन का कहना है कि बंदियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर इस तरह के निर्णय लिए जाते हैं। स्थानांतरण के बाद तीनों बंदी अब नैनी सेंट्रल जेल में निरुद्ध रहेंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

मायावती के इकलौते विधायक के ठिकानों पर आयकर के छापे

बाराती बनकर पहुंचे अफसर, मंत्री बोले- उन्हें कैंसर, कौन नेता बदला ले रहा

घेराव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ, बलिया के आवास और सोनभद्र में उनकी कंपनी के दफ्तर पर आयकर विभाग (IT) ने छापा मारा है। बुधवार सुबह 50 से ज्यादा अफसर गाड़ियों से विधायक के लखनऊ आवास पर पहुंचे और परिसर घेर लिया। किसी के अंदर-बाहर जाने पर रोक लगा दी गई। टीम फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और रिकॉर्ड खंगाल रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

उमाशंकर सिंह

मंत्री दिनेश ने लिखा- विधायक जिंदगी-मौत से जूझ रहे

मंत्री दिनेश सिंह ने कहा- उमाशंकर सिंह, विधायक हैं। हमारे रिश्तेदार हैं। लेकिन, सवाल रिश्तेदार होने का नहीं। आज उनके घर पर रेड हो रही है। बिटिया का फोन आया था। रो-रोकर बताया कि बेरहमी के साथ बर्ताव किया जा रहा है। उमाशंकर जी को चौथे स्टेज का कैंसर है। एक दिन पहले वह अमेरिका से लौटकर आए हैं। अपने घर में आईसोलेशन में है।

>> (शेष पेज 06 पर)

‘साधु-संतों का अपमान बंद करो’

शंकराचार्य पर एफआईआर मामले में कांग्रेस का हंगामा, कलेक्ट्रेट घेरा

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थन में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट घेर लिया। शंकराचार्य पर अत्याचार बंद करो के नारे लगाए। सरकार पर शंकराचार्य, साधु-संत और हिंदू धर्म की छवि खराब करने का आरोप लगाया।

कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमित सिंह ने कांग्रेसियों का ज्ञापन लिया। उसमें कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर शंकराचार्य और साधु-संतों को प्रताड़ित करने का आरोप

- कांग्रेस ने संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का हवाला देते हुए धार्मिक स्वतंत्रता की बात उठाई है।
- पूरे प्रकरण की निष्पक्ष व पारदर्शी जांच की मांग की है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रशासन को ज्ञापन सौंप रहे हैं।

लगाया है। पार्टी का कहना है कि शंकराचार्य और उनके शिष्यों के साथ दुर्व्यवहार और एफआईआर दर्ज किए जाने

अपर जिलाधिकारी ने ज्ञापन लिया

कांग्रेसी जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे थे। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अमित सिंह ने उनका ज्ञापन लिया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष शहजाद आलम ने कहा- शंकराचार्य और हिंदू धर्म की छवि खराब की जा रही है।

उनके खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा वापस लिया जाए।

की कार्रवाई धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। यह लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर सभी जिला और शहर इकाइयों को प्रदर्शन किया गया। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह प्रदर्शन संतों के सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए किया। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस काफी उत्तेजित हैं। साधु-संतों का अपमान बंद करो

के नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट के अंदर घुस गए हैं। कांग्रेस कलेक्ट्रेट पर जुटे हैं। शंकराचार्य और संतों का अपमान बंद करो के नारे लगा रहे हैं। कांग्रेसी शंकराचार्य के सम्मान में कांग्रेस मैदान में के नारे लगा रहे हैं। शंकराचार्य का अपमान बंद करो के भी नारे लगा रहे हैं।

राजधानी में एलयू न्यू कैंपस में फीस-फाइन को लेकर हंगामा

गेट में हाथ दबने से चोटिल हुए प्रॉक्टर, छात्र बोले- कुलपति से मिलने दो

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में बुधवार को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान प्रॉक्टर का हाथ गेट में दब गया। जिससे उनके हाथ में चोट आ गई। फीस पर फाइन को लेकर हो रहे प्रदर्शन के बीच अचानक से हुए इस घटनाक्रम से अफरा तफरी का माहौल हो गया।

हालांकि, राहत की बात ये रही कि प्रॉक्टर की गंभीर चोट नहीं लगी और प्राथमिक उपचार देते ही उन्हें राहत मिल गई। वहीं, दूसरी तरफ मांगों को लेकर छात्रों ने चीफ प्रॉक्टर को कुलपति के नाम का ज्ञापन सौंपा। दरअसल, प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों द्वारा मुख्य द्वार जबरन बंद करने का प्रयास किया गया। इस दौरान रोकने के प्रयास में प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद अहमद का हाथ गेट में दब गया, जिससे वे चोटिल हो गए।

हालांकि, तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें राहत मिल गई। छात्रों की मांग थी कि कुलसचिव डॉ.भावना मिश्रा की तरफ से 12 फरवरी को जारी किए गए नोटिस वापस लेने के बाद ही प्रदर्शन खत्म होगा। इस दौरान कुलपति को सौंपे ज्ञापन में भी इसका उल्लेख किया गया। इसके अलावा कुल 5 सूत्रीय मांगों को लेकर भी छात्र अड़े रहे। इनमें शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि हटाए जाने के अलावा प्रवेश निरस्त करने का प्रावधान भी शामिल है। जल्द स्कॉलरशिप दिलाने की मांग के अलावा कुलपति से वार्ता के लिए छात्रों के प्रतिनिधि-मंडल को समय देने की मांग भी की गई है।

लेट फीस के नाम पर जबरन थोपा जा रहा फाइन

छात्रों का कहना था कि फीस देर से जमा करने पर लेट फीस लेना और समय पर न जमा कर पाने पर प्रवेश निरस्त किए जाने के तुगलकी फरमान को लेकर आज ये प्रदर्शन किया जा रहा है। अभी तक छात्रों की स्कॉलरशिप नहीं आई है। अभी तक इवेन सेमेस्टर का फीस सभी छात्र स्कॉलरशिप आने के बाद देते थे। अब नई व्यवस्था के तहत फीस पहले जमा कराई जा रही है।

वोटरों को नोटिस भेजना ‘वोटबंदी अभियान’: अखिलेश

सपा प्रमुख ने भाजपा पर लगाया मतदाता सूची में गड़बड़ी और पीडीए वोट काटने की साजिश का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाताओं को बड़े पैमाने पर भेजे जा रहे नोटिसों को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे नोटबंदी के बाद भाजपा का नया “वोटबंदी अभियान” करार दिया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की नीयत पहले भी ठीक नहीं थी और अब भी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले केवल मुसलमानों को कागजों के नाम पर परेशान किया जाता था, लेकिन अब हिंदुओं को भी नोटिस भेजे जा रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब वोट के आधार पर नागरिकता तय की जाएगी और लोगों को उनके घर, जमीन और संपत्ति से बेदखल किया जाएगा। सपा प्रमुख ने कहा कि जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के

परिजनों के दस्तावेजों पर भी सवाल उठाए जा सकते हैं, तो आम लोगों की स्थिति और भी कमजोर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि वोटर कार्ड और अन्य दस्तावेजों को लेकर आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाया जा रहा है, जिससे लोग अपने अधिकारों और संपत्ति को लेकर चिंता में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी नीतियों,

अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिन दस्तावेजों के आधार पर पहले मतदाता सूची तैयार की गई थी, उन्हीं दस्तावेजों को अब दोबारा क्यों मांगा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि गलती सिस्टम की है, लेकिन सुधार के लिए आम जनता को परेशान होना पड़ रहा है।

महंगाई, बेरोजगारी और जनविरोधी फैसलों के कारण जनता का विश्वास खो चुकी है और अब उसे चुनावी धांधली का सहारा लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के तथाकथित पन्ना प्रमुख भी अब जनता के बीच जाने से बच रहे हैं।

एससी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें कहा गया था कि रूह अफ़ज़ा एक नॉन-फ्रूट ड्रिंक है

रूह अफ़ज़ा एक फ्रूट ड्रिंक है, इस पर यूपी वैट एक्ट के तहत सिर्फ़ 4% वीएटी लगेगा

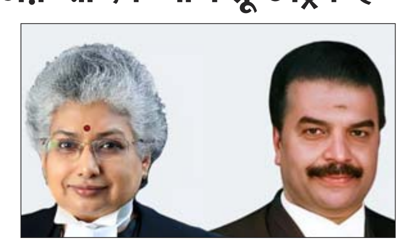

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज का पॉपुलर ड्रिंक कॉन्संट्रेट “शरबत रूह अफजा” उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2008 (UP VAT एक्ट) के तहत टैक्स के लिए फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फ्रूट प्रोडक्ट की कैटेगरी में आता है और इसलिए इस पर 12.5 परसेंट नहीं बल्कि सिर्फ 4 परसेंट VAT लगेगा।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की बेंच ने कहा कि कई राज्यों में प्रोडक्ट का लगातार रियायती क्लासिफिकेशन हमदर्द की स्थिति को मज़बूत करता है और दिखाता है कि इसका मतलब “न तो बनावटी है और न ही गलत, बल्कि एक सही और कमर्शियली मान्यता

प्राप्त मतलब है”। इसके अनुसार, कोर्ट ने फैसला सुनाया कि प्रोडक्ट एक्ट के शेड्यूल II की एंट्री 103 के तहत फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फ्रूट प्रोडक्ट के तौर पर क्लासिफाई किया जा सकता है और संबंधित असेसमेंट ईयर के दौरान 4 प्रतिशत की रियायती दर पर टैक्सेबल है।

इसलिए, इसने कंपनी की अपील को मंजूरी दे दी और इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें कहा गया था कि रूह अफ़ज़ा एक नॉन-फ्रूट ड्रिंक है। टैक्स अधिकारी इससे सहमत नहीं थे और उन्होंने प्रोडक्ट को ज़्यादा VAT के लिए लायबल अनक्लासिफाइड आइटम माना। फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटी और कमर्शियल टैक्स ट्रिब्यूनल के सामने हमदर्द की अपील फेल हो गई, ट्रिब्यूनल ने कहा कि

जुलाई 2018 में, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हमदर्द द्वारा फाइल किए गए रिविजन के एक बैंच को खारिज कर दिया और ट्रिब्यूनल के विचार को सही ठहराया।

आम और कमर्शियल भाषा में, प्रोडक्ट को फ्रूट ड्रिंक के बजाय “शरबत” समझा जाता है। हाईकोर्ट ने “आम बोलचाल के टेस्ट” पर बहुत ज़्यादा भरोसा किया और कहा कि फ्रूट जूस या फ्रूट ड्रिंक मांगने वाले कंज्यूमर्स को रूह अफ़ज़ा नहीं दिया जाएगा और इसका उल्टा भी होगा।

डिटेल्ड फैसले की कॉपी अभी उपलब्ध नहीं कराई गई है

यह विवाद हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज के पॉपुलर ड्रिंक कॉन्संट्रेट “शरबत रूह अफजा” के उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2008 के तहत टैक्स क्लासिफिकेशन से पैदा हुआ। यह विवाद इस बात से जुड़ा था कि क्या प्रोडक्ट को UP VAT एक्ट के शेड्यूल II के पार्ट A की एंट्री 103 के तहत 4 परसेंट टैक्सेबल “फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फ्रूट” माना जाए या शेड्यूल V में रेसिड्यूरी एंट्री के तहत 12.5 परसेंट टैक्सेबल अनक्लासिफाइड कमोडिटी माना जाए। असेसमेंट ईयर 2007–08 और 2008–09 के लिए, हमदर्द ने रूह अफजा की बिक्री पर 4 परसेंट की कम दर से VAT दिया, यह दावा करते हुए कि यह प्रोसेस्ड या प्रिजर्व्ड फल, फ्रूट स्क्वैश, फ्रूट ड्रिंक और फ्रूट जूस को कवर करने वाली एंट्री में आता है।

‘लाल बारादरी मस्जिद नहीं इमामबाड़ा है’

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब 220 साल पहले बने लाल बारादरी को लेकर छिड़ा विवाद अब बड़ा रूप ले चुका है। 22 फरवरी, रविवार को फेंसिंग से शुरू हुआ विवाद 3 दिन में और आक्रामक हुआ।विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस की सख्ती भी देखने को मिली, लेकिन छात्रों के 2 अलग-अलग गुट आमने-सामने आने के बाद माहौल और गरमाता दिखा। कुछ लोग इसे गंभीर साजिश मानकर कैंपस में धार्मिक उन्माद फैलाने का आरोप भी लगा रहे हैं। इस पूरे मामले को हैंडल करने में विश्वविद्यालय प्रशासन की चूक भी साफ तौर पर नजर आती हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रवक्ता इन आरोपों को सिरे से खारिज कर रहे हैं। वहीं, वरिष्ठ इतिहासकार प्रोफेसर पीके घोष का कहना है कि लाल बारादरी मस्जिद नहीं, बल्कि इमामबाड़ा है। लाल ईंटों से बने 12 दरवाजे होने से इसका नाम लाल बारादरी पड़ा।

उत्तर प्रदेश को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग एवं ड्रोन हब बनाने की दिशा में जर्मनी में बड़ी पहल

तकनीकी सहयोग पर विस्तृत वार्ता

- फुजिकुरा, क्वांटम-सिस्टम्स, टेलीफ़ोनिका ओ 2 और हेन सोल्डीटी के साथ निवेश व तकनीकी सहयोग पर विस्तृत वार्ता
- रक्षा, दूरसंचार, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर एवं उन्नत विनिर्माण में साझेदारी के नए द्वार खुले

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत के विजन तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की उत्तर प्रदेश में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने की मंशा के अनुरूप,उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश एवं उन्नत प्रौद्योगिकी

का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से जर्मनी प्रवास पर गए भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व कर रहे उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैबिनेट मंत्री (आईटी) श्री सुनील कुमार के साथ अग्रणी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं।

उप मुख्यमंत्री ने जापान की बहुराष्ट्रीय कंपनी Fujikura Ltd. के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ उन्नत सेंसर प्रौद्योगिकी, स्वायत्त प्लेटफॉर्म तथा स्मार्ट अवसंरचना से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में उत्तर प्रदेश में प्रोटोटाइपिंग एवं उन्नत विनिर्माण इकाई स्थापित करने की संभावनाओं, ऑटोमोटिव एवं ई-व्हीकल सेक्टर हेतु स्मार्ट सेंसर एवं इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के निर्माण, स्मार्ट सिटी एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में सहभागिता

तथा अनुसंधान एवं नवाचार आधारित सहयोग मॉडल पर गंभीर चर्चा हुई। कंपनी ने प्रदेश में अपनी प्रोटोटाइपिंग तथा मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की स्थापना को लेकर गहरी रुचि व्यक्त की, जो उत्तर प्रदेश को उच्च-प्रौद्योगिकी विनिर्माण एवं नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत है। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने Telefnica O2 तथा HENSOLDT के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में दूरसंचार, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, रक्षा सहयोग, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसरों पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता के दौरान उन्नत संचार नेटवर्क, सुरक्षित कनेक्टिविटी, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक सेंसर एवं एवियोनिक्स सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर प्लेटफ़ॉर्म तथा परीक्षण एवं उत्पादन हब की स्थापना की संभावनाओं पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

विस्तृत विचार विमर्श किया गया

उप मुख्यमंत्री ने जर्मनी की अग्रणी ड्रोन निर्माण कंपनी Quantum-Systems GmbH के साथ बैठक कर तकनीक हस्तांतरण, संभावित निवेश मॉडल तथा उत्तर प्रदेश में उन्नत ड्रोन विनिर्माण एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के अवसरों पर विस्तृत विमर्श किया। बैठक में रक्षा एवं नागरिक उपयोग हेतु अत्याधुनिक UAV प्रणाली के विकास, डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत औद्योगिक सहयोग तथा अनुसंधान एवं कौशल विकास के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक संवाद हुआ। कंपनी ने अपने एकीकृत मल्टी-डोमेन ड्रोन इकोसिस्टम एवं रक्षा व नागरिक उपयोग के प्रमुख अनुप्रयोगों का प्रस्तुतीकरण किया, जिससे सहयोग की व्यापक संभावनाएं उभरकर सामने आईं।

शटर तोड़कर मोबाइल शॉप में लाखों की चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । इटौंजा थाने से करीब 50 कदम की दूरी पर मोबाइल शॉप में लाखों रुपए की चोरी हो गई। दुकानदार चोरी की FIR कराने थाने पहुंचा तो वहां कोई नहीं मिला। वापस दुकान पर आकर उसने डायल-112 पर कॉल किया।

इसके बाद पुलिस आई और छानबीन शुरू की। चोरी की वारदात CCTV कैमरे में कैद हो गई है। 3 चोर चोरी करते हुए दिख रहे हैं। चोरों ने मुंह पर रूमाल बांध रखा है। इससे उनकी पहचान नहीं हो पा रही है। घटना बुधवार तड़के 4 बजे की है। इटौंजा थाने के पास आदर्श त्रिवेदी की श्री बालाजी मोबाइल शॉप के नाम से दुकान है। चोरों ने उसी में चोरी की है।

ग्राम भगौतापुर के निवासी आदर्श त्रिवेदी की इटौंजा थाने के पास श्रीबाला जी मोबाइल शॉप है। मंगलवार रात आठ बजे वह शॉप

- एफआईआर कराने पहुंचा पीड़ित तो खाली मिला थाना

बंद करके घर गए। बुधवार सुबह पड़ोस के दुकानदार ने उन्हें फोन करके बताया कि उनकी शॉप का शटर टूटा है। दुकान में चोरी हुई है।

सूचना पर वह शॉप पर पहुंचे। किसी तरह से शटर उठाकर अंदर गए। अंदर सामान बिखरा था। रैक खाली थे। गल्ला भी खाली था। उन्होंने बताया कि चोर करीब 2 लाख के 6 मोबाइल और एक्सेसरीज चोरी करके ले गए। आदर्श त्रिवेदी ने दुकान के अंदर CCTV कैमरे लगाए हैं।

लखनऊ पुलिस का खुलासा : खून से सनी चादर जलाई, हाथ-पैर काटकर जंगल में फेंका

बाप की हत्या का आरोपी बोला सॉरी गलती हो गई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में पैथोलॉजी मालिक मानवेंद्र सिंह की हत्या का पुलिस ने आज शाम खुलासा कर दिया। नीट परीक्षा के विवाद में बेटे अक्षत प्रताप सिंह उर्फ राजा ने 20 फरवरी की सुबह 4:30 बजे उनकी राइफल से गोली मारकर हत्या की थी। हाथ-पैर को काटकर नादरगंज के पास नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया था। शरीर के शेष हिस्से को नीले ड्रम में भरकर घर में छिपा दिया था। खून से सनी चादर को अनौरा जंगल में जलाया था। हत्या में प्रयोग हथियार और औजार को अलग-अलग स्थानों पर फेंका था, जिन्हें बरामद कर लिया गया है। परिजनों और पुलिस को गुमराह करने के लिए पिता की गुमशुदगी दर्ज करा दी थी। आशियाना थाने में पुलिस ने आज अक्षत को मीडिया के सामने किया।

> पुलिस आरोपी अक्षत को लोकबंधु अस्पताल से डालीबाग स्थित जेसीपी एलओ दफ्तर ले गई। जहां अफसरों ने करीब 25 मिनट पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने उसको कोर्ट में फेश कर दिया है।

हत्या में इस्तेमाल की गई राइफल, तारपीन तेल, आरी, चाकू और अन्य सामान दिखाए। इसके बाद उसे मेडिकल के लिए अस्पताल ले जाने लगे तो वह मीडिया से घिर गया। बार-बार पूछे जाने पर उसने धीरे से कहा- सॉरी मुझसे गलती हो गई। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। इसके पहले मानवेंद्र का अंतिम संस्कार कर दिया गया। आज सुबह भैंसाकुंड घाट बैकुंठ धाम पर उन्हें छोटे भाई दरोगा अरविंद सिंह के बेटे कृत्य सिंह ने मुखाग्नि दी। पीएम हाउस से पन्नी में बंधी डेडबॉडी आई, उसका उसी तरह अंतिम संस्कार कर दिया गया। अंतिम संस्कार के दौरान मृतक मानवेंद्र की डेडबॉडी से कवर नहीं हटाया गया।

'नीट परीक्षा के विवाद में पिता की हत्या की'

पुलिस के प्रेस नोट के अनुसार, अक्षत प्रताप सिंह से सख्ती से पूछताछ की गई। पिता की हत्या का कारण पूछा गया, तो उसने बताया कि उसके और उसके पिता के बीच नीट परीक्षा को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के कारण 20 फरवरी 2026 को सुबह करीब 4:30 बजे उसने अपने पिता को उनकी ही लाइसेंसी .315 बोर राइफल से गोली मारकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद अपराध छिपाने के लिए उसने चाकू और आरी से शव के हाथ-पैर काट दिए। कटे हुए अंगों को पॉलिथीन में लपेटकर नादरगंज क्षेत्र में नहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। बाकी शव को घर के अंदर एक नीले प्लास्टिक ड्रम में छिपाकर रखा। पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने खुद ही अपने पिता की गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई। इन तथ्यों के सामने आने के बाद उपनिरीक्षक अग्रचारी यादव की लिखित तहरीर पर अक्षत प्रताप सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच थाना आशियाना के प्रभारी निरीक्षक को सौंप दी गई।

डॉ राम अवतार शर्मा ने कहा लोकतंत्र की जीत

तीन दिवसीय मतदान शांतिपूर्ण हुआ संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। 21, 22 और 23 फरवरी को आयोजित बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के चुनाव शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो गए। तीन दिनों तक चली इस महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. राम अवतार शर्मा ने चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने वाले सभी मतदाताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं ने अपनी व्यस्त पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाकर बार की

एकजुटता और जागरूकता का परिचय दिया है।

डॉ. शर्मा ने चुनाव को सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में योगदान देने वाले सभी टीम सदस्यों का भी विशेष धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जो बार काउंसिल की लोकतांत्रिक परंपराओं को और मजबूत करती है।

उन्होंने विशेष रूप से रिटर्निंग ऑफिसर माननीय न्यायमूर्ति श्री तलवंत सिंह के नेतृत्व और मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी निष्पक्ष देखरेख में चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। बार काउंसिल के चुनाव अधिवक्ता समुदाय की एक महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रक्रिया मानी जाती है, जो प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के साथ-साथ बार की नीतियों और भविष्य की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती है।

तमसा पुनरुद्धार योजना और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर विस्तृत समीक्षा

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 21.00 लाख से अधिक वृक्षारोपण का लक्ष्य तय

निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार देर शाम जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति और जिला गंगा संरक्षण समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देश पर हुई। अध्यक्षता परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल कुमार सिंह ने की।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वृक्षारोपण का लक्ष्य तय किया गया। इस वर्ष विभिन्न विभागों को कुल 21 लाख 00 हजार 530 पौधे लगाने का लक्ष्य आवंटित किया गया है। प्रभागीय वनाधिकारी डॉ. उमेश तिवारी ने सभी कार्यदायी विभागों को लक्ष्य की जानकारी दी। बैठक में राष्ट्रीय हरित अधिकरण से जुड़े प्रकरणों पर भी विचार किया गया। आए संख्या 406 और 488 के मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों से अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। निर्देश दिया गया कि एनजीटी से जुड़े मामलों में समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। जिला पर्यावरण समिति की बैठक में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल-2016 के प्रभावी

वन विभाग ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे शीघ्र स्थल चयन कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। कार्ययोजना को वन विभाग को प्रेषित किया जाएगा। पौधरोपण के लिए उपयुक्त भूमि चिह्नित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। पौधों की सुरक्षा और देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। जेआरएफ शुभम सिंह ने वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। कचरा प्रबंधन, डोर-टू-डोर कलेक्शन और निस्तारण व्यवस्था की समीक्षा की गई। सदस्य केशव प्रसाद श्रीवास्तव ने स्थानीय समस्याओं को बैठक में उठाया। इस पर प्रभागीय वनाधिकारी ने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में कहा गया कि वृक्षारोपण, नदी संरक्षण और कचरा प्रबंधन जैसे विषय आपस में जुड़े हैं। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी।

तमसा पुनरुद्धार योजना का स्थलीय निरीक्षण

जिला गंगा संरक्षण समिति की समीक्षा के दौरान तमसा पुनरुद्धार योजना पर चर्चा हुई। जिला परियोजना अधिकारी सत्यम श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की टीम 25 से 27 फरवरी के बीच तमसा नदी से जुड़े सभी तहसीलों का स्थलीय निरीक्षण करेगी।

निरीक्षण के दौरान पुनरुद्धार कार्यों की प्रगति, नदी तट की स्थिति और पर्यावरणीय सुधार उपायों की समीक्षा की जाएगी। संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए गए।

25 फरवरी से कृषि यंत्रों की ऑनलाइन बुकिंग शुरू

लक्ष्य से अधिक आवेदन होने पर ई-लॉटरी से होगा चयन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कृषि विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए कृषि यंत्रों पर अनुदान योजना के तहत ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। उप कृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन और प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइ-जेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू (सीआरएम) योजना के अंतर्गत विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। यंत्रों की बुकिंग 25 फरवरी 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होकर 4 मार्च 2026 की रात 12 बजे तक चलेगी। किसान विभागीय पोर्टल agridarshan.up.gov.in पर 'किसान कॉर्नर' में जाकर 'यंत्र हेतु बुकिंग' लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सीआरएम योजना के तहत फसल अवशेष प्रबंधन से जुड़े कृषि यंत्रों पर अधिकतम 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए अधिकतम 40 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है।

सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत कस्टम हायरिंग सेंटर (ग्रामीण उद्यमी), कम्बाइन हार्वेस्टर विद सुपर एसएमएस, पावर टिलर, पावर वीडर, आलू खुदाई मशीन, आलू बोने की मशीन, चैफ कटर, स्ट्रा रीपर, मिनी राइस मिल, रोटावेटर, हैरो, कल्टीवेटर, ट्रैक्टर माउंटेड स्प्रेयर, पैडी/मल्टीक्रॉप थ्रेसर और कृषि ड्रोन जैसे यंत्र शामिल हैं।

एससी-एसटी, लघु, सीमान्त और महिला किसानों को प्रति यंत्र अधिकतम 50 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। अन्य किसानों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। फार्म मशीनरी बैंक पर भी 40 प्रतिशत अनुदान देय है। कृषि ड्रोन के लिए कृषि स्नातक, एग्रीजक्शन, ग्रामीण उद्यमी और एफपीओ पात्र होंगे। फार्म मशीनरी बैंक के लिए एफपीओ आवेदन कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

कोतवाली अकबरपुर में विवेचकों की ओआर

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर के निर्देश पर मंगलवार को कोतवाली अकबरपुर में विवेचकों की ओआर (ऑर्डरली रूम) आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी सिटी नितीश कुमार तिवारी ने की।

ओआर के दौरान थाना क्षेत्र में लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की गई। प्रत्येक विवेचक से प्रकरणवार जानकारी ली गई। जिन मामलों में जांच लंबित है, उनमें प्रगति की स्थिति पूछी गई।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में मोतियाबिंद सर्जरी शुरू

अंबेडकरनगर। एनटीपीसी कैंप में चिन्हित मोतियाबिंद मरीजों की सर्जरी बुधवार से राजकीय मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग में शुरू हो गई। यह अभियान 25 से 27 फरवरी तक चलेगा। तीन दिनों तक प्रतिदिन निर्धारित संख्या में ऑपरेशन किए जाएंगे। सर्जरी अभियान का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव, उपप्रधानाचार्य डॉ. उमेश वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. अमित पटेल और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मुकुल सक्सेना ने संयुक्त रूप से किया। पहले दिन कुल 45 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया।

काशी में विदेशी कपल ने गंगा के बीच शादी रचाई

वाराणसी । काशी में विदेशी कपल ने सनातनी परंपरा के हिसाब से शादी की। गंगा के बीचों-बीच नाव पर हिंदू रस्मों के हिसाब से सात फेरे लिए। मंत्रोच्चार के बीच लाइफ जैकेट पहनकर कपल ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं। दरअसल, मैक्सिको के रुईज कब्रोल और गोंजलो मिगुल काशी घूमने पहुंचे थे। दोनों को काशी इतनी रास आई कि दोनों ने यहीं एक दूसरे का होने का फैसला लिया।

शंकराचार्य प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

माघ मेले की घटना और दर्ज मुकदमे पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जुड़े प्रकरण की सीबीआई जांच की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन सौंपा। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार अकबरपुर देवेंद्र श्रीवास्तव को दिया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गुलाम रसूल 'छोटू' ने कहा कि प्रयागराज में माघ मेला के दौरान मौनी अमावस्या के दिन मेला प्रशासन द्वारा शंकराचार्य और उनके साथ मौजूद ब्राह्मण बटुकों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बटुकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया।

गुलाम रसूल ने यह भी कहा कि शंकराचार्य और उनके शिष्यों के खिलाफ एक व्यक्ति द्वारा न्यायालय के माध्यम से गंभीर आरोप लगाते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष, स्वच्छ और पारदर्शी जांच सीबीआई से कराने की मांग की। उनका कहना था कि इस मामले में प्रशासनिक भूमिका की भी जांच आवश्यक है। ज्ञापन कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष अजय सिंह 'कप्तान', राम कुमार पाल, जिला उपाध्यक्ष द्विजेंद्र नारायण शुक्ल, उदयभान मिश्र 'राजबहादुर', उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य डॉ. विजय शंकर तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष अकबरपुर मो. जियाउद्दीन अंसारी, जिला महासचिव ज्ञानेंद्र पाठक 'नन्हे', शीतला प्रसाद श्रीवास्तव 'सोनू', राजेश प्रजापति, सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष अनुराग तिवारी, राजकुमार तेली और मो. फरियाद मौजूद रहे।

पत्रकार अभिषेक मालवीय का हुआ निधन लखनऊ में ली अंतिम सांस

हार्निया सर्जरी के बाद बिगड़ी तबीयत, अयोध्या में हुआ अंतिम संस्कार

मीडिया जगत में उनके योगदान को याद किया जा रहा है। सहकर्मियों ने कहा कि वह अपने कार्य के प्रति गंभीर थे और समाचारों को तथ्यात्मक रूप से प्रस्तुत करने पर जोर देते थे।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अयोध्या के मूल निवासी और दैनिक जागरण के निवर्तमान ब्यूरो प्रभारी अभिषेक मालवीय का मंगलवार को निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

जानकारी के अनुसार वह हार्निया की बीमारी से पीड़ित थे। हाल में उनकी सर्जरी हुई थी। ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य में सुधार की उम्मीद थी। इसी बीच अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें लखनऊ के अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उनका निधन हो गया।

अभिषेक मालवीय पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय भूमिका के लिए पहचाने जाते थे। उन्होंने विभिन्न जनसमस्याओं और सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। लंबे समय तक मीडिया क्षेत्र में कार्य करते हुए उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। निधन की सूचना मिलते ही पत्रकारों और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। जिले के प्रेस क्लब और विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया।

प्रेस क्लब अध्यक्ष शैलेंद्र तिवारी, हिंदुस्तान के ब्यूरो चीफ सर्वजीत त्रिपाठी, प्रेस क्लब उपाध्यक्ष कमर हसनैन, पंकज शुक्ला, प्रेस क्लब सचिव बृजेंद्र वीर सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सुधीर श्रीवास्तव और पत्रकार सावन त्रिपाठी समेत कई पत्रकारों ने श्रद्धांजलि दी।

बुधवार को उनका अंतिम संस्कार अयोध्या में किया गया। अंतिम संस्कार में परिजन, मित्र और पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

पत्रकार संगठनों ने शोक संदेश जारी कर परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट होमस्टे नीति पर बैठक, जिले में 13 आवेदन प्राप्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट होमस्टे नीति–2025 के तहत प्राप्त आवेदनों पर सोमवार को कलेक्ट्रेट में बैठक हुई। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में गठित समिति ने आवेदनों की समीक्षा की। लाभार्थियों के साथ बिंदुवार चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रभारी जिला पर्यटन अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 11 आवेदन ग्रामीण पर्यटन योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायत दरवन और चिऊटीपारा, श्रवण धाम क्षेत्र से हैं। दो आवेदन नगरीय क्षेत्र अकबरपुर से मिले हैं। सभी आवेदनों पर समिति ने मानकों के अनुसार परीक्षण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

बैठक में क्षेत्राधिकारी नितीश तिवारी, जिला सांख्यिकी अधिकारी व प्रभारी जिला पर्यटन अधिकारी अनुपम सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार, नगर पालिका क्षेत्र के प्रतिनिधि, अग्निशमन अधिकारी, मंडलीय ग्रामीण पर्यटन समन्वयक शशि भूषण सिंह और संबंधित आवेदक मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि होमस्टे संचालक निर्धारित सुरक्षा, स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों का पालन करें। इससे जिले में ग्रामीण और नगरीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय स्तर पर आय के अवसर भी बढ़ेंगे। नीति के अनुसार आवेदक के स्वामित्व का आवासीय भवन होना जरूरी है।

दरवन और चिऊटीपारा से सर्वाधिक आवेदन, अकबरपुर से भी दो प्रस्ताव

पीडी डीआरडीए की बैठक में उत्पादन, मांग और कुक्कुट नीति पर हुई चर्चा

अंडा उत्पादन में कमी पर समीक्षा हर माह 60 लाख अंडों की कमी

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश कुक्कुट विकास नीति-2022 के तहत अंडा और मांस उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य प्रोटीन युक्त आहार की उपलब्धता बढ़ाना और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना है।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जनपद में अंडा उत्पादन और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए 24 फरवरी 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। जिलाधिकारी के निर्देश पर परियोजना निदेशक डीआरडीए अनिल कुमार सिंह ने देर शाम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अंडा उत्पादन, खपत और कुक्कुट विकास योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। समीक्षा में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1.5 से 1.7 करोड़ अंडों का उत्पादन हो रहा है, जबकि आवश्यकता 3.5 से 5.5 करोड़ के बीच है। जनपद अम्बेडकर नगर की जनसंख्या करीब 24 लाख है। यदि 25 प्रतिशत आबादी को उपभोक्ता मानें तो लगभग 6 लाख अंडों की दैनिक खपत बनती है। 180 अंडे प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत के आधार पर जिले में सालाना 10 करोड़ 80 लाख अंडों की जरूरत है। वर्तमान में जनपद में प्रति माह लगभग 30 लाख अंडों का उत्पादन हो रहा है। समीक्षा में पाया गया कि हर माह करीब 60 लाख अंडों की कमी बनी हुई है। जनपद में इस समय पांच पैरेंट फार्म और लगभग 400 से 500 ब्रायलर फार्म संचालित हैं। कुल चूजा उत्पादन 7 लाख 20 हजार है, जबकि आवश्यकता लगभग 15 लाख चूजों की बताई गई। पीडी डीआरडीए ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कुक्कुट विकास नीति 2013 और 2022 के तहत संचालित योजनाओं की जानकारी किसानों और बेरोजगार युवाओं तक पहुंचाई जाए। सरकार की ओर से सस्ती दर पर ऋण की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कामर्शियल लेयर और ब्रायलर पैरेंट फार्म की स्थापना के लिए ऐसे लोगों को प्रेरित किया जाए जो मार्च 2013 से 2022 के बीच लाभान्वित नहीं हुए हैं। लाभार्थियों को बैंक ऋण पर सात प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति दी जाएगी। भूमि क्रय या लीज पर स्टाम्प शुल्क में शत-प्रतिशत छूट और विद्युत संयोजन पर पांच वर्ष तक सरचार्ज में छूट का प्रावधान है।

नीति के अनुसार 10 हजार क्षमता की व्यावसायिक लेयर इकाई एक एकड़ भूमि में स्थापित की जा सकती है। 30 हजार क्षमता की ब्रायलर इकाई के लिए 2.5 एकड़ भूमि आवश्यक है। 60 हजार क्षमता की लेयर इकाई के लिए चार एकड़ और 10 हजार क्षमता की ब्रायलर पैरेंट इकाई के लिए भी चार एकड़ भूमि का प्रावधान है।

जनपद में भीषण सड़क हादसा एक महिला की मौत, 15 घायल

सम्मनपुर थाना क्षेत्र में पिकअप और ऑटो की जोरदार टक्कर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के सम्मनपुर थाना क्षेत्र में अकबरपुर–बसखारी मार्ग पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कुर्की बाजार के पास उस समय हुआ जब एक पिकअप वाहन और ऑटो के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ऑटो कथित रूप से रांग साइड से आ रहा था, तभी सामने से आ रही पिकअप से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो सवार कई यात्री सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में चंदौली जनपद की एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य घायलों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गलत दिशा में चल रही ऑटो दुर्घटना का कारण बनी, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। संबंधित वाहन चालकों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय नागरिकों ने अकबरपुर–बसखारी मार्ग पर बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताई और नियमित पुलिस गश्त व यातायात नियंत्रण की मांग की है।

पुलिस ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

सूचना मिलते ही सम्मनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

तीन स्वर्ण पदक से बढ़ाया जिले का मान

वेटलिफ्टिंग और योगा में पुलिस टीम का दम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस विभाग की महिला आरक्षियों और योगा टीम ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

बाराबंकी में आयोजित तृतीय वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2025–26 प्रतियोगिता में महिला आरक्षी शिखा सिंह और महिला आरक्षी अनामिका तिवारी ने स्वर्ण पदक जीते। शिखा सिंह ने 28–35 आयु वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं अनामिका तिवारी ने 18–28 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जनपदों की प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

इसके साथ ही जिले की योगा टीम ने भी लखनऊ जोन में आयोजित प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 19 से 21 फरवरी 2026 के बीच आयोजित हुई। महिला वर्ग के अंतर्गत आर्टिस्टिक ग्रुप योगा स्पर्धा में टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। योगा टीम के मैनेजर के रूप में उपनिरीक्षक अश्मत खानन की भूमिका रही। टीम ने निर्धारित मानकों के अनुसार प्रस्तुति दी और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन और नियमित अभ्यास का महत्व होता है। यह उपलब्धि विभाग के अन्य कार्मिकों के लिए भी प्रेरणा का काम करेगी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि विभाग में कार्यरत कर्मियों को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे शारीरिक क्षमता के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

सुविधा : पूर्वांचल विकास निधि योजना के तहत होगा निर्माण, ग्रामीणों ने किया स्वागत

46.69 लाख से बनने वाले सीसी मार्ग का उद्घाटन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड रामनगर अंतर्गत ग्राम संदहा में सीसी मार्ग निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। यह मार्ग मोहम्मद के खेत से चंगेज खा के घर होते हुए सिराजुद्दीन के खेत तक बनाया जाएगा। निर्माण कार्य पूर्वांचल विकास निधि योजना के तहत 46 लाख 69 हजार रुपये की लागत से कराया जाएगा।

कार्य का उद्घाटन सपा के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व सांसद और आलापुर विधायक त्रिभुवन दत्त ने किया। इस मौके पर ग्रामीणों ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र यादव, सपा नेता अजय गौतम, कृष्ण कुमार पांडेय, प्रेम सागर प्रजापति, रामजनम यादव, अब्दुल कलाम, यार मोहम्मद, जलालुद्दीन, सुशील वर्मा, अनिल कुमार, तबरेज, हसीब, रिजवान, सुधीर यादव, विनोद गौतम, शिवपूजन यादव, रामबूझ यादव, रहमुल्ला खान, परशुराम प्रजापति, राम सुंदर यादव, देवमणि यादव, रवि गौतम, रामप्रवेश, शिवशंकर निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सीसी मार्ग निर्माण शुरू होने से क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि निर्धारित समय में कार्य पूरा होगा और उन्हें बेहतर सुविधा मिलेगी।

विधायक ने कहा कि मार्ग निर्माण से गांव के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के अन्य मार्गों का प्रस्ताव भी भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद उन पर भी कार्य शुरू कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, जल निकासी और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकार पर साधा निशाना

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कानून व्यवस्था, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर अपनी बात रखी। कहा कि छात्र, किसान, नौजवान और व्यापारी वर्ग विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। बेरोजगारी और महंगाई प्रमुख मुद्दे हैं।

उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर व्यवस्था और सुविधाएं मिलनी चाहिए। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वालों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

सड़क निर्माण का वीडियो वायरल, गुणवत्ता पर उठे सवाल

जलालपुर, अम्बेडकरनगर।जलालपुर क्षेत्र में मेयो अस्पताल के सामने बन रही सड़क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में लोक निर्माण विभाग (PWD) के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा है।

जानकारी के अनुसार नगपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से होते हुए रामगढ़ लिंक रोड तक सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। यह मार्ग स्थानीय आवागमन के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। निर्माण कार्य हाल में शुरू हुआ है।

वायरल वीडियो में सड़क पर डाली जा रही सामग्री और रोलिंग प्रक्रिया को लेकर आपत्तियां दर्ज की गई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। उनका कहना है कि सड़क की परत बिछाने से पहले आधार को पर्याप्त रूप से तैयार नहीं किया गया।

सम्पादकीय

हल्द्वानी मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

लंबे समय से विवाद और तनाव के केंद्र में रहे उत्तराखंड के हल्द्वानी में बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे और साथ ही राज्य सरकार की जमीन पर अवैध तरीके से बसे लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने वहां से हटाने का फैसला करके वही किया, जो न्यायसंगत था। यदि यह मांग मान ली जाती कि अतिक्रमण करके बसे लोगों को वहीं रहने दिया जाए तो इससे न केवल करीब 30 हेक्टेयर जमीन पर अवैध कब्जा वैध हो जाता, बल्कि रेलवे के विस्तार की महत्वाकांक्षी परियोजना पर ग्रहण भी लगता। सुप्रीम कोर्ट ने यह सही कहा कि अवैध तरीके से बसे लोग यह तय नहीं कर सकते कि रेलवे रेल लाइन विस्तार के लिए अन्य विकल्प चुने, लेकिन इसी के साथ उसने इस जमीन से बेदखल होने वालों के प्रति जो मानवीय दृष्टिकोण अपनाया, उसकी भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगभग पांच हजार परिवारों के जो हजारों लोग रेलवे और उसके पास की राज्य सरकार की जमीनों पर रह रहे हैं, उनमें से पात्र लोगों को पीएम आवास योजना के तहत आवास दिए जाएं। इस फैसले पर केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ने पात्र परिवारों को विस्थापन के बाद छह महीने तक प्रति माह 2,000 रुपये भत्ता देने का भी वादा किया। पहली नजर में यह लग सकता है कि एक तरह से सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों को पुरस्कृत किया जा रहा है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि इस कब्जे को लेकर न तो रेलवे समय रहते चेता और न ही उत्तराखंड सरकार। यह एक तथ्य है कि आम तौर पर सरकारी विभाग अपनी जमीनों पर अतिक्रमण और अवैध कब्जे को लेकर उदासीन बने रहते हैं और फिर यकायक अपनी जमीन खाली कराने की सुध लेते हैं। इससे वहां रह रहे लोगों के सामने संकट खड़ा हो जाता है। उनके रहने का ठिकाना छिनने के साथ ही उनकी रोजी-रोटी भी प्रभावित होती है। यह अच्छा हुआ कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले को नजीर न माना जाए और उसने जो मानवीय दृष्टिकोण अपनाया, वह मदद ज्यादा और अधिकार कम है। देश में हजारों एकड़ सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे हैं। इसके लिए कब्जा करने वालों के साथ वे विभाग भी जिम्मेदार हैं, जो अपनी जमीनों पर कब्जे के समय आंखें मूंदे रहते हैं। यदि सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराना है तो वहां दशकों से रह रहे लोगों के पुनर्वास के बारे में कोई ठोस नीति बनानी होगी। ध्यान रहे अपने देश में अपनी ही जमीनों पर बसे लोगों को जब किसी परियोजना के चलते विस्थापित किया गया तो उनमें से भी अनेक का न तो ढंग से पुनर्वास किया गया और न ही उनकी आजीविका की चिंता की गई। निःसंदेह सरकारी अथवा गैर-सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे मुक्त होने चाहिए, लेकिन मानवीय दृष्टिकोण के साथ।

विकास और विनाश को समझता विश्व

वैश्विक परिदृश्य को जब हम अलग-अलग दृष्टि और दृष्टिकोण से देखते हैं तो हमें राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाज, संस्कृति आदि बहुत से विषय मिल जाते हैं। इन विषयों पर बड़े स्तर पर काम भी किया जा सकता है और काम हो भी रहा है। वर्तमान वैश्विक आर्थिक स्थिति को देखते हैं तो बाजार में रोज बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। देश-दुनिया आर्थिक संकट से गुजर रही है। वहीं दूसरी ओर ध्यान से देखें तो हम पाते हैं कि सभी देश किसी न किसी तरह से युद्ध में उलझे हुए से दिखाई पड़ रहे हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सभी किसी समूह से जुड़े हुए हैं।विश्व में आर्थिक संधियों का दौर तेजी से बढ़ रहा है। सभी देश एक दूसरे देश के साथ आर्थिक वित्तीय समझौते करने में लगे हुए हैं। एक दृष्टि से समझे तो अमेरिका आज पूरे विश्व में आर्थिक उथल-पुथल मचाने में लगा हुआ है। कोई देश स्थिर होकर उसके साथ व्यापार नहीं कर पा रहा है। कभी अमेरिकी टैरिफ का दाम बहुत ऊंचे उठ जाता है तो कभी वह उसमें कटौती कर देता है। पिछले दिनों तो अमेरिका की कोर्ट ने भी ट्रंप के टैरिफ को गलत बता दिया। अब व्यापारियों के लिए उलझन यह बनी हुई है कि वह किस टैरिफ को सही माने और किस दाम पर क्या खरीदें या क्या बेचे?

डॉ. नीरज भारद्वाज

बच्चों पर ज्यादा दबाव और रोक-टोक के भयंकर परिणाम

> हर बच्चे की एक क्षमता और योग्यता है, उसे उसके अनुसार काम करने दे। जबरदस्ती किसी को सफलता नहीं दिलाई जा सकती, जब तक वो खुद न चाहे। बच्चों को उनका काम करने में मदद करें, वो जो भी करना चाहते हैं, उन्हें करने का मौका दे।

वर्तमान हालात बच्चों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण हैं. हमारे लिए इसे समझना बेहद मुश्किल है। आज से 30-40 साल पहले बच्चे का अच्छे नंबर लेकर पास होना उसके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी माना जाता था । अब ऐसा नहीं रहा है. जब शत-प्रतिशत अंक आने लगे हैं तो 90 प्रतिशत अंक लाने वाले छात्र भी फेल मान लिए जाते हैं। देखा जाए तो जरूरी नहीं है कि शत-प्रतिशत अंक लाने वाला छात्र 80-90 प्रतिशत अंक वाले छात्र से बेहतर हो। किसी भी छात्र के अंक उसकी मेहनत या मेधा के प्रतीक नहीं होते, उसके स्वभाव के प्रतीक भी हो सकते हैं। आजकल बच्चों पर मां-बाप का ज्यादा से ज्यादा अंक लाने का दबाव होता है। स्कूली शिक्षा खत्म होने के बाद उन्हें इंजीनियर और डॉक्टर बनाने का दबाव भी मां-बाप का होता है। आजकल मां-बाप बच्चों से पूछने लगे हैं कि वो क्या करना चाहता है. फिर उसके अनुसार ही उसे आगे बढ़ने का मौका देते हैं। सच यह है कि ज्यादातर अभिभावक बच्चों के भविष्य का फैसला खुद करना चाहते हैं। उनकी शिक्षा, करियर और विवाह तक सारे फैसले खुद लेना चाहते हैं और अपने फैसलों को बच्चों पर थोपना अपना अधिकार समझते हैं। उनका कहना होता है कि हम मां-बाप हैं. बच्चों का बुरा नहीं चाहते हैं. हम चाहते हैं कि बच्चे अच्छा जीवन जियें, इसलिए उनका मार्गदर्शन करते हैं। बच्चों का मार्गदर्शन करना हर माता-पिता का अधिकार और कर्तव्य है लेकिन इसकी एक सीमा है। आजकल बच्चे अच्छी शिक्षा के बावजूद मनपसंद रोजगार हासिल नहीं कर पा रहे हैं। जब उन्हें अच्छी नौकरी नहीं मिलती तो वो विवाह से भागने लगते हैं। बुरी संगत में पड़कर व्यसनों का शिकार बन जाते हैं। ऐसे हालातों में उनके परिजनों के लिए उनको समझना मुश्किल हो जाता है। इन बच्चों का धीरे-धीरे व्यवहार बदलने लगता है। हम बच्चों को यह दोष देने लगते हैं कि ये बदल गया है लेकिन जानने की कोशिश नहीं करते कि क्यों ऐसा हो रहा है। बच्चों के बदलते व्यवहार को समझे बिना, उनके ऊपर तरह-तरह से दबाव बनाया जाने लगता है। इस खींचतानी का कई बार बड़ा बुरा परिणाम निकलता है। कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं जिनमें पूरा परिवार बर्बाद हो जाता है। लखनऊ में रिश्तों को शर्मसार करने की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक 21 वर्षीय बेटे ने अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। विडम्बना यह है कि ये हत्या उसने अचानक आवेश में आकर नहीं की है बल्कि सोच-समझकर इस घिनौनी घटना को अंजाम दिया है । उसने इसके लिए पूरी योजना बनाई, फिर हत्या की और उसके बाद उसने पिता के शव के टुकड़े-टुकड़े करके जंगल में फेंक दिये। इसके अलावा उसने पिता के शव का एक हिस्सा घर में नीले ड्रम में छुपा दिया। वो ये हत्या करने के बाद सामान्य बना रहा और खुद थाने जाकर पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस जांच में चौंकाने वाला सच सामने आया है. आरोपी के पिता मानवेन्द्र सिंह एक पैथोलॉजी लैब के मालिक थे. इसके अलावा भी उनके दूसरे व्यवसाय थे। वो अपने बेटे और बेटी के साथ रहते थे, उनकी पत्नी का नौ साल पहले निधन हो चुका था। पिता चाहते थे कि बेटा नीट क्लियर करके डॉक्टर बन जाये लेकिन बेटा डॉक्टर नहीं बनना चाहता था। उसने कई बार पिता को मना किया था, लेकिन पिता उस पर डॉक्टर बनने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे। उसने पिता के दबाव से परेशान होकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया। एक दूसरी ऐसी ही शर्मनाक घटना मुज्जफरनगर में सामने आई है। इसमें दो बहनों ने अपने पिता की रोक-टोक से परेशान होकर उसकी नृशंस हत्या कर दी। उन्होंने परिवार के सदस्यों को नींद की गोलियां देकर सुला दिया और इसके बाद पिता को चाकू से गोदकर मार दिया। बड़ी बहन की उम्र 32 साल है और छोटी बहन 16 साल की है, दोनों बहनों ने पूरी योजना बनाकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया है। ये हत्या भी अचानक आवेश में आकर की गई हत्या नहीं है बल्कि योजनाबद्ध तरीके से की गई हत्या है। दोनों बहनों का पहला गुस्सा तो इस बात को लेकर था कि उनके साथ बेटी होने के कारण भेदभाव किया जाता है। बेटियों के साथ भेदभाव हमारे समाज के लिए बहुत ही सामान्य बात है लेकिन दोनों बहनें इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी। इसके अलावा पिता बड़ी बेटी के अविवाहित होने पर ताना मारते थे। उनको कुँवारी बेटी का घर बैठना बर्दाश्त नहीं हो रहा था। ये पता नहीं है कि बेटी का विवाह क्यों नहीं हो रहा था लेकिन इसके लिए वो अकेली दोषी नहीं होगी। हो सकता है कि कुछ परिस्थितियों के कारण उसका विवाह नहीं हो पा रहा हो। एक तो विवाह नहीं हो रहा था, उस पर पिता के तानों ने उनको गुस्से से भर दिया और उसने अपने पिता का ही कत्ल कर दिया। इसके अलावा कितनी ही घटनाएं सामने आ रही हैं जिसमें बच्चे अपने ही परिजनों की हत्या कर रहे हैं। बच्चे सिर्फ दूसरों की हत्या ही नहीं कर रहे हैं बल्कि आत्महत्या भी कर रहे हैं। बेटे और बेटियों ने अपने पिता को इतनी क्रूरता से क्यों और कैसे मारा, ये एक अलग मुद्दा है। मेरा मुद्दा यह है कि ऐसे हालात क्यों और कैसे पैदा हो गए कि वो अपने ही पिता के हत्यारे बन गए। अगर ये बच्चे आत्महत्या कर लेते तो क्या घटना इतनी ही गंभीर नहीं होती। बच्चों ने हत्या की या आत्महत्या, दोनों ही घटनाएं चिंता पैदा करने वाली हैं। सवाल यह है कि हम अपने बच्चों के लिए सारे फैसले लेना इतना सामान्य क्यों समझते हैं। उनको समझने की कोशिश क्यों नहीं करते हैं। बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस बनेगा, ये हम कैसे तय कर सकते हैं। बच्चे की शादी नहीं हो पा रही है तो क्या हम उसे ताने देना शुरु कर दे। उनके जीवन को पूरी तरह से नियंत्रित करने की कोशिश हम क्यों करते हैं। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि हर मां-बाप अपने बच्चे का भला चाहते हैं लेकिन सब कुछ वो तय नहीं कर सकते। बच्चों की समझ और विचार को भी समझने की कोशिश करनी चाहिए, चाहे वो कितने भी छोटे या बड़े क्यों न हों। जब मेरा बेटा पांचवी कक्षा में पढ़ता था तो मैंने उसका स्कूल बदलवा दिया।

राजेश कुमार पासी

पहले इनका गांव...

हरी राम यादव

अंबेडकरनगर के अमर बलिदानी सिपाही धनुषधारी सिंह, वीर चक्र (मरणोपरांत)

कश्मीर के मुद्दे को लेकर पाकिस्तानी सेना ने कबाइलियों के वेष में भारत पर आक्रमण कर दिया। भारत सरकार ने भी युद्ध की घोषणा कर दी। सिपाही धनुष धारी सिंह की पलटन को भी युद्ध भूमि में जाने का आदेश मिला। महज 01 साल 04 महीने की सेना की नौकरी और 20 साल 04 महीने की उम्र में अम्बेडकर नगर के इस वीर ने वह कर दिखाया जिसे किसी को उम्मीद नहीं थी। 25 /26 फरवरी 1948 की रात को 3 पैरा के दो सेक्शन आगे बढ़ रहे थे। सिपाही धनुषधारी सिंह सबसे आगे और बायीं ओर चलने वाले सेक्शन में थे इस सेक्शन की कमान सूबेदार सावन सिंह के हाथों में थी। यह सेक्शन हेंडन रिज पर स्थित दुश्मन पर आक्रमण करने के लिए आगे बढ़ रहा था। आगे बढ़ते हुए इन दोनों सेक्शनों पर अचानक दुश्मन की ओर से मीडिएम मशीनगनों और राइफलों से भयानक गोलीबारी की जाने लगी। दुश्मन की ओर से की गयी इस भयानक गोलीबारी में सिपाही धनुषधारी सिंह के सेक्शन के बारह जवान हताहत हो गये। अपने साथी सैनिकों को हताहत होते देख सिपाही धनुषधारी सिंह का खून खौल उठा। सिपाही धनुषधारी सिंह आगे बढ़े और अपनी ब्रेन गन को एक चट्टान के पीछे रखकर दुश्मन की स्थिति पर सटीक भीषण फायरिंग करने लगे। सिपाही धनुषधारी सिंह द्वारा की जा फायरिंग से सूबेदार सावन सिंह को मौका मिल गया और वे अपने हताहत जवानों को वहां से पीछे ले जाने में कामयाब रहे । साथ ही साथ सूबेदार सावन सिंह ने अपने पीछे वाले सेक्शन के जवानों को पुनः पुर्ननियोजित किया। सिपाही धनुषधारी सिंह दुश्मन से अपने साथियों का बदल लेने के लिए उद्वेलित हो उठे। वाह कुहनी के बल रेंगते हुए आगे बढ़े और दुश्मन पर भीषण फायरिंग करने लगे। सिपाही धनुषधारी सिंह की सटीक और भीषण फायरिंग से दुश्मन सैनिकों के हौसले पस्त हो गये। सिपाही धनुषधारी सिंह वीरता और कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए अपने दम पर आगे बढ़ते रहे और दुश्मन की गोलाबारी की परवाह न करते हुए उस पर फायरिंग करते रहे। उनकी इस वीरतापूर्ण कार्यवाही से उनका सेक्शन आगे बढ पाया। दुश्मन से वीरता से लड़ते हुए सोनांव के इस लाल ने मातृभूमि का कर्ज चुकाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर अपने गांव को इतिहास के पन्नों में अमर कर दिया। उनकी वीरता और कर्तव्य परायणता के लिए उन्हें 25 फरवरी 1948 को मरणोपरान्त वीर चक्र प्रदान किया गया। आपको बताते चलें कि वीर चक्र युद्धकाल का तीसरा सबसे बड़ा सम्मान है। यह सम्मान युद्ध क्षेत्र में असाधारण वीरता के लिए दिया जाता है। सिपाही धनुष धारी सिंह अम्बेडकर नगर के एकलौते वीर चक्र विजेता हैं। इनके बाद अब तक अम्बेडकर नगर में किसी को यह सम्मान नहीं मिला है। सिपाही धनुष धारी सिंह के नाम पर 26 जुलाई 2024 को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अकबरपुर से दोस्तपुर जाने वाले सड़क पर स्थित गोहन्ना चौराहे का नामकरण "सिपाही धनुषधारी सिंह, वीर चक्र (मरणो-परांत) कर दिया गया और फैजाबाद से अकबरपुर जाने वाले राजमार्ग पर स्थित यादव नगर से सोनांवा लिंक रोड पर उनके नाम पर एक शौर्य द्वारा बनाया गया है। गौहन्ना चौराहे का नामकरण होने के बाद ही कुछ महीनों में चौराहे पर लगा बोर्ड गिर गया और लगभग एक वर्ष से ऊपर का समय बीत चुका है लेकिन अंबेडकरनगर के जिला प्रशासन ने वीर चक्र विजेता के नाम पर लगे उस बोर्ड की सुधि नहीं ली है। ऐसा लगता है कि हमारे देश का प्रशासन सिर्फ फोटो खिंचाने में ही यकीन रखता है, धरातल पर वास्तविक सम्मान करने में नहीं। सिपाही धनुषधारी सिंह के नाती बृजेश सिंह का कहना है कि हमारे नानाजी जिस सम्मान के हकदार थे उनको आज तक वह सम्मान नहीं मिला। उनका कहना है कि उनके गांव में स्थित विद्यालय का नामकरण सिपाही धनुषधारी सिंह वीर चक्र के नाम पर किया जाए ताकि हमारे गांव और आसपास की युवा पीढ़ी अपने माटी के लाल को जान सकें और सेना में जाने के लिए उत्प्रेरित हों। सिपाही धनुषधारी सिंह का जन्म 29 अक्टूबर 1927 को जनपद फैजाबाद (अयोध्या) के गांव सोनावां में श्रीमती सुखना देवी तथा श्री धनराज सिंह के यहां हुआ था। वह 29 अक्टूबर 1946 को भारतीय सेना की पंजाब रेजिमेंट में भर्ती हुए । प्रशिक्षण के पश्चात वह 1 पंजाब रेजिमेंट में पदस्थ हुए। 1945-48 के भारत पाक युध्द के समय वह 3 पैरा रेजिमेंट के साथ संबद्ध थे। पहले इनका गांव जनपद फैजाबाद की तहसील अकबरपुर का हिस्सा हुआ करता था ।

इसमें उनके...

सुभाष शिरढोनकर

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निर्माता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है। दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

जरा हटके

आज हमें यह ध्यान...

डा.वेदप्रकाश

यूजीसी के समता विनियम की गंभीर समीक्षा हो

विगत दिनों आया यूजीसी का समता संवर्धन विनियम गंभीर समीक्षा की मांग करता है क्योंकि जब से यह आया है, तभी से चिंता स्वरूप इसके विरोध और समर्थन का मुद्दा अब राजनीतिक रंग ले रहा है। देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों व अन्य स्थानों पर भी धरने-प्रदर्शन जारी हैं। विगत दिनों विनियम के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे वामपंथी संगठन के छात्रों ने सवाल पूछने पर महिला यूट्यूबर रुचि तिवारी को पीट दिया। हाल ही में जेएनयू में छात्रों के दो ग्रुपों में जमकर झगड़ा हुआ है। एक समाचार यह भी है कि मध्यप्रदेश की छात्रा सोनाली प्रजापति ने मंत्री विजय शाह से यह प्रश्न पूछा कि पढ़ाई में जातिगत भेदभाव क्यों किया जा रहा है? शिक्षा के लिए जातिगत नहीं, आर्थिक आधार पर सरकारी सुविधाएं दी जानी चाहिए क्योंकि हर वर्ग में लोग पिछड़े हैं। क्या उपर्युक्त दोनों समाचार गंभीर नहीं हैं? ध्यातव्य है कि 13 जनवरी 2026 को यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु विनियम 2026 प्रकाशित किया। विनियम के उद्देश्य में लिखा है कि- धर्म, नस्ल, जाति, लिंग,जन्म स्थान या दिव्यंगता के आधार पर विशेष रूप से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गो, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो, दिव्यांगजनों अथवा इनमें से किसी के भी सदस्यों के विरुद्ध भेदभाव का उन्मूलन करना तथा उच्च शिक्षा संस्थानों के हितधारकों के मध्य पूर्ण समता एवं समावेशन को संवर्धन देना है। विनियम के प्रकाशित होते ही इसके देशव्यापी विरोध के समाचार आने लगे। तदुपरांत कहीं-कहीं से समर्थन के समाचार भी आ रहे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने इस मामले में अभी यथास्थिति का आदेश जारी किया है। यहां प्रश्न यह है कि जब विनियम का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों के हितधारकों के मध्य पूर्ण समता की बात करता है तो क्या उपर्युक्त वर्णित वर्गों के अतिरिक्त सामान्य वर्ग के छात्र इस हितधारक श्रेणी में नहीं हैं? ध्यान रहे शिक्षण संस्थान विद्या के मंदिर हैं जहां सभी विद्यार्थी एकता एवं समानता का पाठ पढ़ते हैं। क्या शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को इस प्रकार के घोषित जाति आधारित वर्गीकरण में बांटना उचित है जबकि शिक्षण संस्थानों में किसी भी प्रकार की असमानता अथवा भेदभाव के उन्मूलन हेतु पहले से ही प्रावधान हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के साथ भेदभाव नहीं होता? यदि होता है तो क्या उनके लिए भी अलग विनियम नहीं होने चाहिए? प्रस्तुत विनियम जिस प्रकार से विभिन्न शब्दों की परिभाषा देता है। समता के संवर्धन का कर्तव्य बताता है। समान अवसर केंद्रों का प्रविधान करता है। समता के संवर्धन हेतु उपाय, घटनाओं के मामले में प्रतिक्रिया, अपील, निगरानी एवं अनुपालन आदि की विस्तृत रूपरेखा बताता है। यह रूपरेखा शिक्षण संस्थानों की सभी के लिए समान की भावना को खंडित करेगी। संविधान के भाग 3 में मूल अधिकार के अंतर्गत समता का अधिकार सभी के लिए धर्म,मूल वंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर कोई विभेद नहीं करता। क्या शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव के संबंध में संविधान का यह प्रविधान लागू नहीं होता? यदि हां तो फिर अलग से यूजीसी का यह विनियम क्यों बनाया गया है? क्या यह विनियम इससे जुड़े अधिकारियों की मंशा पर सवाल नहीं उठा रहा है? यूजीसी का यह जिम्मा है कि वह देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु प्रयास करे। अधिकाधिक छात्रों को उच्च शिक्षा का अवसर मिले, इसके लिए प्रयास करे। छात्रों की संख्या के अनुपात में शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों की संख्या सुनिश्चित करे। संविधान सम्मत विभिन्न आरक्षित वर्ग के छात्रों के कल्याण हेतु छात्रवृत्तियों आदि का प्रावधान सुनिश्चित करे। आज भी देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में भिन्न-भिन्न रूपों में ढांचागत सुविधाओं का नितांत अभाव है। क्या यूजीसी को उस ओर ध्यान नहीं देना चाहिए? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अध्याय 6 स्पष्ट करता है कि कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक लगातार नामांकन घट रहा है। नामांकन में यह गिरावट सामाजिक- आर्थिक रूप से वंचित समूहों में अधिक है। क्या आर्थिक रूप से वंचित समूह की श्रेणी में सामान्य जातियों के छात्र नहीं आते? इसी प्रकार नीति का अध्याय 14 उच्च शिक्षा में समता और समावेश शीर्षक से स्पष्ट करता है कि विद्यालयी शिक्षा और उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में समता, समानता और समावेश से जुड़ा दृष्टिकोण एक समान होना चाहिए। क्या यूजीसी द्वारा प्रकाशित यह विनियम सभी की समानता के विरुद्ध नहीं है? नीति में आगे लिखा है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव और उत्पीड़न के खिलाफ बने सभी नियमों को शक्ति से लागू करना। क्या इस निर्देश के दायरे में अनुसूचित जाति, जनजाति,अन्य पिछड़ा वर्ग आदि के छात्र नहीं आते? यदि आते हैं तो फिर यूजीसी का यह नया विनियम क्यों? ध्यातव्य है कि यूजीसी का यह नया विनियम एक प्रकार से संविधान सम्मत अधिकारों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को कमजोर सिद्ध करते हुए वैमनस्य पैदा करने का प्रयास है।

ट्रेंकुलाइजर गन से बेहोश किया, सहारनपुर में छोड़ा जाएगा, एग्जाम कैंसिल

स्कूल में घुसा तेंदुआ, 7 घंटे में पकड़ा

हड़कंप

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के एक स्कूल में बुधवार सुबह तेंदुआ घुसने से हड़कंप मच गया। आनन-फानन में स्कूल में छुट्टी घोषित कर दी गई। परिजनों को मैसेज भेजकर बच्चों को स्कूल न भेजने को कहा गया। 100 से ज्यादा बच्चों की परीक्षा कैंसिल कर दी गई। स्कूल प्रबंधन ने तुरंत ही वन विभाग को घटना की जानकारी दी। टीम तुरंत ही मौके पर पहुंची। तेंदुए को पकड़ने के लिए स्कूल की बाउंड्री पर जाल बिछा दिया है। करीब 7 घंटे बाद ट्रेंकुला-इजर गन से बेहोश कर तेंदुए को पकड़ लिया गया है। उसे पिंजरे में कैद कर सहारनपुर ले जाया जाएगा। जहां वन विभाग की टीम

उसे शिवालिक पहाड़ियों में छोड़ देगी। स्कूल के CCTV में बुधवार सुबह 6.45 बजे तेंदुआ परिसर के अंदर बने पार्क में टहलता दिखाई दिया। फिर वह एक कमरे के अंदर चला गया। सूचना पर पहुंची कविनगर थाना पुलिस ने आसपास के इलाके को सील कर दिया था। 50 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को इलाके में तैनात रहे। बैरिकेडिंग कर स्कूल के सामने वाले रास्ते को बंद किया गया था। गनीमत रही कि सुबह का वक्त होने की वजह से स्कूल खाली था। ड्यूटी पर आते वक्त सिक्योरिटी इंचार्ज ने मोबाइल पर CCTV चेक करते वक्त तेंदुआ देखा। उसने तुरंत ही स्कूल प्रबंधन और वन विभाग को वीडियो भेजा। घटना गोविंदपुरम इलाके के सीबीएसई बोर्ड का ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल का है। CCTV चेक करने पर पता चला कि तेंदुआ सुबह 5 बजे से ही स्कूल के आसपास सड़कों पर टहल रहा था। ट्रेंकुला-इजर गन से तेंदुए को बेहोश कर दिया गया है। अब उसे पिंजरे में रखा जा रहा है। इसके बाद गाड़ी से वन विभाग की टीम उसे सहारनपुर लेकर जाएगी।

- स्कूल के सीसीटीवी में सुबह 5 बजे तेंदुआ सड़क पर टहलता दिखा।
- तेंदुआ काफी देर तक स्कूल परिसर के अंदर घूमता रहा। फिर एक कमरे में घुस गया।
- तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम और पुलिस ने स्कूल परिसर की बाउंड्री पर जाल लगा दिया।

नाइट गार्ड ने ऑफिस के बाहर तेंदुआ देखा

स्कूल के मालिक पृथ्वी सिंह ने बताया कि सुबह 7:30 बजे स्कूल के नाइट गार्ड को बाथरूम के लिए उठाया। तभी उसने देखा कि एक तेंदुआ उनके ऑफिस के बाहर बैठा है। इसके बाद गार्ड ने तुरंत प्रिंसिपल और एडमिन को सूचित किया। सूचना मिलने के बाद स्कूल में तुरंत छुट्टी घोषित कर दी गई। ट्रेंकुलाइजर गन से तेंदुए को बेहोश करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन मिस होने के कारण अभी तक कोई इंजेक्शन सफलतापूर्वक नहीं लग सका।

फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर रोक नहीं

क्या हिंदू लड़की की मुस्लिम से शादी सामाजिक ताना-बाना तोड़ती है

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि फिल्म के नाम में ऐसा कोई शब्द नहीं है, जिससे यादव समाज की छवि खराब होती हो। विश्व यादव परिषद ने याचिका में कहा था कि फिल्म का नाम यादव समाज को गलत तरीके से दिखाता है। साथ ही फिल्म में यादव समाज की एक हिंदू लड़की और एक मुस्लिम लड़के की प्रेम कहानी दिखाई गई है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने सुनवाई के दौरान पूछा, "क्या किसी हिंदू लड़की की मुस्लिम लड़के से शादी सामाजिक ताना-बाना तोड़ती है?" बेंच ने हाल में फिल्म 'घूसखोर पंडित' से जुड़े आदेश से इस मामले को अलग बताया। कोर्ट ने कहा कि 'घूसखोर'

- विश्व यादव परिषद के प्रमुख अवधेश कुमार यादव ने याचिका दायर की है।
- विश्व यादव परिषद के प्रमुख अवधेश कुमार यादव ने याचिका दायर की है।

शब्द का अर्थ भ्रष्ट होता है, जो सीधे तौर पर नकारात्मक अर्थ जोड़ता है। जबकि मौजूदा फिल्म के नाम में ऐसा कोई नकारात्मक संकेत नहीं है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि फिल्म खुद को एक सच्ची कहानी पर आधारित बताती है।

अनुदान पर कृषि यंत्र हेतु 25 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन शुरू

बहराइच। उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के सिंगल कृषि यंत्र, अन्य योजनाओं के अवशेष कृषि यंत्रों तथा कृषि रक्षा उपकरणों पर अनुदान प्राप्त करने के इच्छुक कृषक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए विभागीय पोर्टल एग्रीदर्शन पोर्टल (agri-darshan.up.gov.in) पर बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि पोर्टल 25 फरवरी को मध्यान्ह 12:00 बजे से 04 मार्च 2026 की रात्रि 12:00 बजे तक ऑनलाइन बुकिंग हेतु खुला रहेगा। कृषि यंत्रों की बुकिंग/आवेदन की प्रक्रिया जनपद-वार संपन्न कराई जाएगी। इच्छुक कृषक विभागीय पोर्टल के 'किसान कॉर्नर' में जाकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। श्री वर्मा ने बताया कि कृषि यंत्रों का विवरण, बुकिंग की विधि एवं अनुदान प्रक्रिया से संबंधित समस्त जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है।

फास्ट न्यूज

कोचिंग जा रहे प्रतियोगी छात्र को बस ने कुचला

प्रयागराज। प्रयागराज में पूरामुफ्ती थाने के सामने बुधवार दोपहर तेज रफ्तार स्कूल बस ने 19 वर्षीय युवक को रौंद दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक साइकिल से कोचिंग पढ़ने जा रहा था। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने पूरामुफ्ती थाने के सामने जाम लगा दिया। इससे कानपुर प्रयागराज हाईवे पर वाहनों की कतार लग गई। पुलिस उन्हें समझाने में जुटी रही।

भाजपा ने चोरी के आरोपी को मंडल अध्यक्ष बनाया

आगरा। भाजपा ने चोरी के एक आरोपी को मंडल अध्यक्ष बना दिया। इससे पार्टी के अंदर ही सियासत गर्मा गई है। मामला चर्चा में आने के बाद संगठन के पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति पर हाथ पीछे खींच रहे हैं। इस विवादित नियुक्ति पर एक जनप्रतिनिधि की सिफारिश पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भाजपा ने मंगलवार को आगरा जिले के 10 मंडलों के अध्यक्षों की सूची जारी की। इसमें तीसरे नंबर पर जगनेर मंडल के अध्यक्ष देवकी नंदन शर्मा का नाम है। बताया जा रहा है, देवकी नंदन वर्ष 2025 में चोरी के आरोप में पकड़े जा चुके हैं।

सरकार शंकराचार्य से नहीं परमाणु बम से कर रहीं छेड़छाड़

आगरा। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर FIR के बाद राजनीति गरमाती जा रही है। देश भर में कांग्रेस शंकराचार्य के समर्थन में सड़कों पर है। बुधवार को शहर कांग्रेस कमेटी ने आगरा जिला मुख्यालय पर शंख बजा कर प्रदर्शन किया। शंकराचार्य का समर्थन में आए। सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर, सरकार को हिंदू विरोधी बताया।

अतिक्रमण अभियान की निगरानी पर उठे सवाल

रामनगर रिंग रोड के फुटपाथ पर कब्जा बरकरार

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिले में अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर प्रशासन द्वारा सख्त निर्देश दिए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर हालात संतोषजनक नहीं दिख रहे हैं। नगर पंचायत रामनगर में रिंग रोड के फुटपाथ पर खुलेआम अतिक्रमण होने से अभियान की नियमित निगरानी पर सवाल उठने लगे हैं। बीते 17 फरवरी को जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभा भवन में राजस्व, प्रवर्तन और भूमि अधिग्रहण से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में डीएम ने सभी नगर निकायों को निर्देश दिया था कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों को प्राथमिकता के आधार पर खाली कराया जाए और अभियान की नियमित निगरानी

सुनिश्चित की जाए। इसके बावजूद रामनगर नगर पंचायत क्षेत्र में थाने के पास रिंग रोड के फुटपाथ पर सब्जी की दुकानें लगाकर कब्जा किया जा रहा है। फुटपाथ पर अतिक्रमण से राहगीरों को आने-जाने में कठिनाई हो रही है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। सड़क सुरक्षा माह के समापन अवसर पर उप परिवहन आयुक्त अयोध्या ने भी कहा था कि सड़क हादसों को रोकने के लिए सभी की जिम्मेदारी तय है और यातायात नियमों का पालन जरूरी है।

कृषि शिविर आयोजित, प्राकृतिक खेती और रोग प्रबंधन की दी गई जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र की ग्राम पंचायत दौलतपुर में वर्टिवर संस्थान द्वारा आयोजित एक दिवसीय कृषि शिविर किसानों के लिए नई संभावनाओं और आधुनिक खेती की जानकारी का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। इस शिविर में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन और मिट्टी की सेहत से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ. गुरविंदर सिंह ने संस्थान के विजन को साझा करते हुए प्राकृतिक खेती को कृषि विकास का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग कर किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल कर सकते हैं और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान अजेंद्र सिंह ने स्थानीय डेमो प्लॉट का

उदाहरण देते हुए किसानों को मिर्च की फसल में लगने वाली विभिन्न बीमारियों और उनके प्राकृतिक उपचार के तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर रोग की पहचान और उचित प्रबंधन से फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है और उत्पादन में वृद्धि संभव है। शिविर में प्रभुकुल एफपीओ के डायरेक्टर पुष्पेंद्र मिश्रा और कृषि तकनीकी सहायक (प्राकृतिक खेती) राम शरण की मौजूदगी में गेहूं की फसल में होने वाले 'कंडुआ रोग' के प्रभाव और उसके नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक और रासायनिक दोनों प्रकार के समाधान बताए, जिससे फसल को सुरक्षित रखा जा सके। रामेंद्र कश्यप ने मिट्टी के स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को सुरक्षित और टिकाऊ उत्पादन के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होने से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और लंबे समय तक खेती लाभदायक बनी रहती है। शिविर में शामिल किसानों ने आधुनिक और सुरक्षित कृषि तकनीकों को सीखने में विशेष रुचि दिखाई। विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी किसानों के लिए उपयोगी साबित हुई और उन्होंने भविष्य में इन तकनीकों को अपनाने की इच्छा जताई। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और किसानों का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन का समापन किया गया। यह शिविर क्षेत्र में टिकाऊ और वैज्ञानिक कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ओवरटेक के दौरान बाइक हुई असंतुलित

पयागपुर में सड़क हादसा, एक युवक गंभीर रूप से घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

पयागपुर (बहराइच)। बुधवार दोपहर चौकी क्षेत्र खुटेहना में एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार अर्जुन कुमार (23) पुत्र बाबूराम निवासी गोंडा-श्रावस्ती तथा लंबू (32) पुत्र दुआ दीन निवासी इकौना, श्रावस्ती मोटरसा-इकिल से लग्न समारोह में कार्य करने हरिहरपुर जा रहे थे। बताया जाता है कि खुटेहना से लगभग दो किलोमीटर आगे स्थित बनवारी देवी इंटर कॉलेज के पास सामने से आ रही बस और ट्रैक्टर को ओवरटेक करने के प्रयास में उनकी बाइक असंतुलित हो गई। इसी दौरान वे दोनों वाहनों के बीच फंसकर सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना में अर्जुन कुमार को आंख के ऊपर, पैर और

शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं, जबकि लंबू को मामूली खरोंचें आईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पयागपुर पहुंचाया गया। वहां तैनात चिकित्सक डॉ. अरुण मौर्या ने प्राथमिक उपचार के बाद अर्जुन की हालत गंभीर देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सूरतगंज में शादी समारोह में डीजे को लेकर विवाद

मारपीट में कई घायल, पुलिस की निगरानी में संपन्न हुई रस्में

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। शादी की खुशियां उस वक्त तनाव में बदल गईं जब डीजे पर मनपसंद गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। मामला मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के आल्हेमऊ गांव का है, जहां पुलिस की मौजूदगी में किसी तरह विवाह की शेष रस्में पूरी कराई गईं। जानकारी के अनुसार, फतेहपुर क्षेत्र के आल्हेमऊ गांव में पुरैना मजरे बरैय्या से बारात आई थी। जयमाल कार्यक्रम के बाद डीजे पर गाना बदलने को लेकर बरातियों और जनातियों के बीच पहले बहस हुई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कुछ युवक नशे की हालत में थे, जिससे मामूली कहासुनी ने उग्र रूप

ले लिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडे चलने लगे। शादी समारोह में मौजूद महिलाएं और बच्चे घबराकर इधर-उधर भागने लगे। इस झड़प में दुल्हन पक्ष से धर्मराज (24), संदीप (18) और अंशु (22) घायल हो गए, जबकि दूल्हा पक्ष से कुलदीप (18) को चोटें आईं। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया, लेकिन पुलिस के लौटने के बाद महिलाओं के बीच फिर से कहासुनी हो गई, जो दोबारा मारपीट में बदल गई। हालात बिगड़ते देख अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। स्थिति को नियंत्रण में लेने के बाद पुलिस की निगरानी में विवाह की बाकी रस्में और फेरे संपन्न कराए गए। घटना के बाद गांव में देर रात तक तनाव का माहौल बना रहा। थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार मिश्र ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुछ लोगों के शराब के नशे में होने की बात सामने आई है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कई लोग मौके से चले गए थे।

लाठीचार्ज में कई छात्र घायल, कानपुर में छात्र की मौत के बाद हंगामा-तोड़फोड़

पीएसआईटी कॉलेज में एसीपी ने छात्रों को दौड़ाकर पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के पनकी स्थित PSIT इंजीनियरिंग कॉलेज में बुधवार सुबह 10 बजे छात्रों ने हंगामा शुरू किया। करीब 3 हजार छात्रों ने कॉलेज में घुसकर तोड़फोड़ की। दरवाजे, खिड़की, टेबल तोड़ दी। मौके पर सचेंडी, पनकी, अरमापुर, कल्याणपुर सहित 7-8 थानों की फोर्स, PAC पहुंची। दोपहर 1 बजे बवाल बढ़ गया। पुलिस और छात्रों में झड़प हो गई। पुलिस ने छात्रों को हटाने के लिए दौड़ा-दौड़ाकर लाठियां मारी। कई छात्र गिरकर घायल हो गए। बवाल के बाद छात्रों की सारी मांगे मान ली गई हैं। टाइमिंग को लेकर छात्रों को आश्वाशन दिया गया है। जल्द ही इसे भी बदला जाएगा।

फिलहाल बवाल को देखते हुए कॉलेज को 8 तारीख तक बंदकर दिया गया है। कॉलेज में पीएसी अभी तैनात है और सभी छात्र चले गए हैं। DCP वेस्ट एसएम कासिम आब्दी, DCP वेस्ट कपिलदेव, ACP कल्याणपुर आशुतोष कुमार, ACP अमरनाथ यादव भी छात्रों को समझाया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और 10 एंबुलेंस भी ऐहतियातन लगाई गईं।

> छह महीने पहले भी कॉलेज कैंपस में एक्सीडेंट में एक छात्र घायल हुआ था। तब भी कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। पुलिस और कॉलेज मैनेजमेंट मिलकर मामले को दबा देता है। लेकिन, मैनेजमेंट ने कैंपस में अपने मेडिकल कॉलेज में ही काफी देर तक रखा था।

जेसीबी से टकराकर छात्र की मौत का मामला

दरअसल, सोमवार को कैंपस में निर्माण काम में लगी जेसीबी से टकरा कर BCA फाइनल ईयर के छात्र की मौत हो गई थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छात्र की किडनी, लंग्स, पैनक्रियाज डैमेज हो गया था। इसी के विरोध में छात्र न्याय की मांग करते हुए नारेबाजी करने लगे। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज कैंपस में चल रहे निर्माण काम के दौरान सुरक्षा इंतजाम न होने से यह हादसा हुआ। वहीं, कॉलेज प्रबंधन ने घटना को कैंपस के बाहर का मामला बताया। मृतक की पहचान प्रखर सिंह निवासी रतनलाल नगर के रूप में हुई।

हत्या : गोरखपुर में एक महीने पहले हुई थी शादी, बोली- पति ज्यादा चाहते थे

सौतेली मां ने 3 साल की बेटी को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

पिपराइच (गोरखपुर)। गोरखपुर के सौतेली मां ने 3 साल की बेटी को कुल्हाड़ी से काट डाला। मासूम को पहले जमीन पर पटका। कुल्हाड़ी से हमला कर बच्ची का सिर धड़ से अलग कर दिया। घटना के बाद कमरे में चारों तरफ खून ही खून फैल गया। दीवारें खून से रंग गईं। इस दौरान मासूम का पिता मौके पर पहुंच गया। लाश देखकर चीख उठा। इस बीच महिला भागने लगी। पिता चिल्लाते हुए उसके पीछे भागा। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने भी उसका पीछा किया। करीब 1 किलोमीटर तक पीछा करके महिला को पकड़ लिया। महिला के हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। बेटी को मारने की वजह पूछी तो बोली- पति बेटी को ज्यादा प्यार करते थे, सबक सिखाना चाहती थी। सूचना पर

सौतेली मां ने कुल्हाड़ी से हमला कर बच्ची का सिर धड़ से अलग कर दिया।

पहुंची पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। घटना मंगलवार रात करीब 11 बजे पिपराइच के बिजहरा गांव की है। त्रिवेणी मौर्य (40) बिजहरा गांव में रहते हैं। उन्होंने 2012 में लक्ष्मी से शादी की थी। 2 साल पहले ही लक्ष्मी की मौत हो गई थी। उससे 3 साल की बेटी अदिति थी। त्रिवेणी ने एक महीने पहले ही पूजा (35) के साथ दूसरी शादी की थी।

> त्रिवेणी ने बताया- मंगलवार रात को मैं, पूजा और बेटी अदिति सो रहे थे। मैं रात में पेशाब करने के लिए घर से बाहर चला गया। तभी कमरे में पत्नी पूजा ने वारदात को अंजाम दिया। पूजा ने बिस्तर पर सो रही बेटी अदिति को जमीन पर पटक दिया। पास में रखी कुल्हाड़ी उठाई और अदिति की गर्दन पर जोरदार वार कर दिया।

ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया

सूचना मिलते ही पिपराइच थाना प्रभारी अतुल कुमार श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी बरामद कर ली है।

हत्या के बाद कमरे में चारों तरफ खून ही खून फैल गया।

बेटी की हत्या के बाद भाग रही मां को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। बाद में पुलिस के हवाले कर दिया।

ईंट लदी ट्रॉली से टकराई महिंद्रा थार, तीन युवक गंभीर घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

बहराइच। जनपद के पयागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खूंटेहना चौकी इलाके में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बनवारी देवी इंटर कॉलेज के पास रात करीब 12:45 बजे ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से आ रही तेज रफ्तार महिंद्रा थार (UP 32 PQ 4646) अनियंत्रित होकर जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि थार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में घायल युवकों की पहचान अजय पुत्र रंगीलाल, सुमित गुप्ता पुत्र अन्नू गुप्ता तथा विशाल रस्तोगी पुत्र सतीश, निवासी ग्राम जमुनहीं, थाना माल्हीपुर, जनपद श्रावस्ती के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बहराइच की ओर जा रही थी, तभी पीछे से आ रही थार

> पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन पर नियंत्रण खोना हादसे का मुख्य कारण प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार में नियंत्रण खो बैठी और सीधे ट्रॉली में जा टकराई। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और वाहन में सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल जिला अस्पताल बहराइच पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार घायलों की हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है। हादसे के बाद ट्रॉली से ईंटें सड़क पर बिखर गईं, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलते ही खूंटेहना चौकी प्रभारी गोपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल संतोष कुमार, कांस्टेबल संतोष कुमार चौहान, कांस्टेबल पृथ्वी पाल सिंह और सच्चिदानंद ने मौके पर पहुंचकर सड़क पर बिखरी ईंटों को हटाया और क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे कराया। पुलिस की तत्परता से यातायात को जल्द ही सुचारू कर दिया गया।

2000 किलो ठंडाई तैयार, ढोल-नगाड़ों पर डांस, लट्ठमार होली शुरू, गाए होली के गीत

बरसाना में सखियों ने पुलिसवालों को मारे लट्ठ

उत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । मथुरा के बरसाना में बुधवार को प्रसिद्ध लट्ठमार होली खेली जा रही है। सुबह से ही बरसाना की गलियां भक्तों से भरी पड़ी हैं। हर तरफ अबीर-गुलाल दिखाई दे रहा। अबीर गुलाल से रंगे भक्त ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूम रहे हैं। होली के गीत गा रहे हैं।

इससे पहले सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसवालों के साथ महिलाओं ने लट्ठमार होली खेली। नंदगांव से आए हुरियारे भगवान कृष्ण स्वरूप

ध्वजा श्रीजी मंदिर ले गए। यहां राधा रानी के चरण स्पर्श कराने के बाद रंगीली गली में होली गीतों पर हुरियारने और हुरियारिनों के बीच जमकर नृत्य हुआ।

इसके बाद हुरियारिनें लट्ठ लेकर हुरियारों पर टूट पड़ी। हुरियारे जहां एक तरफ खुद को लट्ठ से बचाते नजर आए, वहीं दूसरी तरफ हुरियारिने उन्हें एक के बाद एक करके लट्ठ मारती रहीं। इस लट्ठमार होली को देखने और खेलने के लिए 20 लाख श्रद्धालु बरसाना पहुंचे हैं। इनमें विदेशी टूरिस्ट भी शामिल हैं। प्रशासन के मुताबिक, सुरक्षा के लिहाज से 4500 से ज्यादा पुलिसकर्मी, PAC और एंटी रोमियो टीम तैनात की गई है। इससे पहले मंगलवार को राधारानी (लाड़लीजी) मंदिर में लड्डूमार होली खेली गई थी। बरसाने में लट्ठमार होली शुरू हो चुकी है। हुरियारिनें लट्ठ लेकर

हुरियारों पर टूट पड़ी हैं। हुरियारे भी खुद को लाठी से बचाते नजर आ रहे हैं। वहीं हुरियारिने लगातार लट्ठे बजाती जा रही हैं। बरसाना में श्रीजी मंदिर में दर्शन करने के बाद हुरियारे रंगीली गली में इकट्ठा हुए। यहां हुरियारे और हुरियारिनों के बीच में जमकर नृत्य हुआ। बरसाना की गलियों में हुरुयारे रंग खेलने के साथ ही हंसी-ठिठोली भी कर रहे हैं। बर्ज भाषा में हो रही हंसी-ठिठोली लोगों को खूब लुभा रही है। रंगीली चौक पर हुरियारे रसिया गायन कर रहे हैं। होली का आनंद और नृत्य करते नंदगांव के हुरियारों की लोग जमकर वीडियो-फोटो बना रहे हैं।

बरसाना में होली के अवसर पर पुष्प वर्षा

बरसाना पूर्व चेयरमैन वेजराज सिंह ने बताया- हरे कृष्णा, पिछले 16 साल से पुष्प वर्षा हेलीकॉप्टर से कराते हैं। यह राधा रानी की कृपा है। ये ऊपर से पुष्प वर्षा की जो सेवा है, राधा-रानी के मंदिर पर, ब्रजवासियों पर, गोस्वामियों पर, साधु-संतों और भक्तों पर। ये प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। हम बहुत भाग्यशाली हैं जो हमें ये करने का सौभाग्य मिलता है।

- **बरसाना राधा रानी का जन्मस्थान है। नंदगांव यानी श्रीकृष्ण का जहां बचपन बीता, वहां के हुरियारे 8किलोमीटर दूर बरसाना में लट्ठमार होली खेलने आते हैं। कुंज और रंगीली गलियों से होते हुए करीब 3किलोमीटर तक पैदल चलते हैं।**
- **गलियों में दोनों तरफ खड़ी हुरियारने लाठियां मारती हैं। इनसे बचने के लिए हुरियारे ढाल का सहारा लेते हैं। ऐसी मनोरम और वर्ल्ड फेमस होली देखने के लिए हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट मथुरा-वृंदावन पहुंचते हैं।**

श्री सिद्धि विनायक महाविद्यालय एनएसएस विशेष शिविर का समापन

एनएसएस विद्यार्थियों के समाजसेवी कार्य प्रशंसनीय

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा (गोवर्धन)। श्री सिद्दी विनायक महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। विशेष शिविर में स्वयंसेविकों ने सात दिन तक जागरूकता रैली, स्वच्छता मिशन, स्वास्थ्य, साक्षरता, वृक्षारोपण आदि कार्यक्रमों से गांव वासियों को जागरूक किया। विद्यार्थियों ने ग्राम अडींग, राल, छटीकरा, पैंठा, महमदपुर, सूरसाधना स्थली, चंद्र सरोवर, कमल कुंड, कुसुम सरोवर, कस्बा गोवर्धन परिक्रमा मार्ग आदि पर श्रमदान किया। एनएसएस विशेष शिविर समापन समारोह पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ मुख्य अतिथि रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी राधाकुंड के पीठाधीश्वर केशव दास महाराज, निदेशक नंदकिशोर शर्मा एडवोकेट, श्रीमती मधु शर्मा ने श्री गडेश जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। निदेशक नंदकिशोर शर्मा एडवोकेट ने राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर के सफल संचालन और सराहनीय कार्यों के लिये एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भारत उपाध्याय एडवोकेट हार्दिक बधाई दी।

फास्ट न्यूज

महिला के शव को 6 ट्रकों ने रौंदा, चिथड़े उड़े

आगरा । आगरा में हाईवे रोंगटे खड़े करने वाला हादसा हुआ। महिला को एक ट्रक ने रौंद दिया। उसका शव हाईवे पर ही पड़ा रहा। इसके बाद एक के बाद एक 6 ट्रकों ने शव को रौंद दिया। शव के चिथड़े उड़ गए। स्थिति ये थी कि सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को शव के लोथड़े सड़क से खुरचने पड़े। मृत महिला की उम्र करीब 45 साल है। उसकी अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है।

29 लाख का मिलावटी खोया और सोयाबीन तेल जब्त

कानपुर । होली के नजदीक आते ही जिला प्रशासन टीम गठित कर मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ छापेमारी कर रहा है। फूड डिपार्टमेंट की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों में छापा मारकर खोया और सोयाबीन ऑयल जब्त किया। पनकी स्टेशन पर ट्रेन से उतार कर लाए जा रहे नौ कुंतल खोये में बदबू आने पर उसे नष्ट कराया गया। इसके अलावा सचेंडी में छापा मारकर 15894 किलो तेल की जांच में मिलावट पाई गई। फूड डिपार्टमेंट ने तेल को जब्त किया है। दोनों स्थानों पर बात करें तो 29 लाख आठ हजार रुपए कीमत के खोये व सोयाबीन तेल पर कार्रवाई की गई है।

'भाजपा सरकार का फार्मूला-मुकदमा बुलडोजर और मुठभेड़'

आगरा । भाजपा सरकार का जाना-पहचाना फार्मूला है, जिससे भी असुविधा हो, उसके खिलाफ, मुकदमा...बुलडोजर और मुठभेड़। ये तीन हथियार हैं इनके पास। स्थिति ये है कि भाजपा सरकार शंकराचार्य के खिलाफ भी फर्जी मुकदमा दर्ज करा रही है। अब देखना अब ये लोग जल्द ही एक-दो दिन में बुलडोजर निकल पड़ेंगे और शंकराचार्य जी का जो आश्रम अवैध करार दे दिया जाएगा।

एमआईईटी में 26 फरवरी से गूंजेगा 'कोलाहल'

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) का परिसर 26 फरवरी से तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव 'कोलाहल-26' की रौनक से सराबोर होगा। डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. हनी तोमर ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रचनात्मक प्रतिभा दिखाने का खुला मंच देना है।

पहले दिन भव्य कवि सम्मेलन में शंभू शिखर, डॉ. पी.के. आजाद, खुशबू शर्मा और डॉ. प्रवीण शुक्ल हास्य, ओज और व्यंग्य की फुहारों से श्रोताओं को बांधेंगे। दूसरे दिन नृत्य, 'स्वर संगम', 'मिस्टर एंड मिस कोलाहल' और 'बैटल ऑफ बैंड्स' जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं के जोश को परवान चढ़ाएंगी, वहीं डीजे नाइट में छात्र झूमते नजर आएंगे।

महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण 28 फरवरी को पंजाबी सिंगर परमिश वर्मा की लाइव प्रस्तुति होगी। उनके लोकप्रिय गीतों पर छात्र थिरकेंगे। अंतिम दिन स्किट और 'रजवाड़ा', 'वेस्टर्न' व 'अरेबियन' थीम पर फैशन शो रंग बिखेरेंगे।

राज रतन साड़ी शोरूम में आयकर विभाग की रेड

कानपुर । कानपुर के लालबंगला स्थित राज रतन साड़ी शोरूम पर बुधवार को आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। इस कार्रवाई से आसपास के व्यापारियों में हड़कंप मच गया और दुकान के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

आयकर विभाग के अधिकारी दो कारों से राज रतन साड़ी शोरूम पहुंचे। टीम ने शोरूम में प्रवेश करते ही कर्मचारियों के मोबाइल फोन जमा करवा लिए और आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया। मौके पर सुरक्षा बल भी तैनात किया गया है।

टीम बिक्री से जुड़े रिकॉर्ड, जीएसटी बिल, स्टॉक रजिस्टर और बैंक लेनदेन से संबंधित कागजात खंगाल रही है। शुरुआती जांच में आय और बिक्री के आंकड़ों में अंतर की आशंका जताई जा रही है।

फिलहाल, आयकर विभाग की टीम दस्तावेजों की गहन जांच में जुटी है। इस कार्रवाई के पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अभी तक इस संबंध में कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

युवक की मौत, महिला 90% झुलसी, अलीगढ़ में 4 साल से अफेयर था

प्रेमी ने प्रेमिका को आग लगाकर खुद को जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़ । अलीगढ़ में एक युवक ने अपनी प्रेमिका के घर में खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। इसके बाद वह अपनी प्रेमिका से लिपट गया। दोनों बुरी तरह झुलस गए। आग की लपटों से घिरे दोनों की चीखें सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। उन्होंने दरवाजा तोड़कर छत से नीचे पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई।

इसके बाद दोनों को जिला मलखान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान प्रेमी की मौत हो गई, जबकि महिला की हालत नाजुक होने पर उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया है।

दोनों की शादी हो चुकी थी। महिला का मोहल्ले के ही युवक से

फरमान, मृतक

करीब 4 साल से प्रेम संबंध चल रहा था। घटना के समय महिला का पति नमाज पढ़ने गया हुआ था।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और लोगों से पूछताछ की। इसके बाद फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस फिलहाल प्रेम प्रसंग, पुरानी रंजिश और ऑनर किलिंग समेत सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। यह घटना सोमवार शाम ऊपरकोट कोतवाली क्षेत्र के तुर्कमान गेट इलाके की है। फरमान की मंगलवार सुबह पांच बजे मौत हो गई। हड्डी गोदाम निवासी फरमान 2 साल पहले वसीम की फैक्ट्री में कारीगर का काम करता था।

मोहल्ले के लोगों ने दरवाजा तोड़कर बुझाई आग

ऊपरकोट कोतवाली क्षेत्र के तुर्कमान गेट निवासी वसीम की 18 साल पहले नाजरीन से शादी की थी। शादी से उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा 15 साल और छोटा बेटा सात साल का है। सोमवार शाम वसीम दोनों बच्चों के साथ नमाज पढ़ने चले गए। करीब 7:00 बजे मोहल्ले के लोग रोजा इफ्तार के बाद नमाज की तैयारी कर रहे थे। तभी वसीम की छत पर आग की लपटों से घिरे दो लोगों की चीख-पुकार सुनाई दी। लोग दूसरे घर से दीवार फांदकर वसीम के घर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर छत पर गए। यहां पर आग पर किसी तरह काबू पाया। इसके बाद पता चला कि वसीम की पत्नी नाजरीन और मोहल्ले का रहने वाला फरमान है। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। वहीं, नमाज पढ़ने गए वसीम को सूचना दी गई।

हरियाणवी गायिका शिवा चौधरी की प्रस्तुति से गूंजा 'मृदंग-2026'

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। परतापुर बाईपास स्थित मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वार्षिकोत्सव 'मृदंग-2026' की संगीतमय संध्या हरियाणवी गायिका शिवा चौधरी की ऊर्जावान प्रस्तुति के साथ यादगार बन गई। उनके लोकप्रिय गीतों पर छात्र-छात्राएं देर रात तक झूमते रहे और पूरे परिसर में उत्साह का वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिवा चौधरी ने अपने चर्चित गीत 'गुंडे बी फाइनेंसर बी' तथा 'सरपंच' से किया, जिस पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक तालियां बजाते हुए उनका स्वागत किया। इसके उपरांत 'काले कागज', 'टैग आवारा के' और 'जले' जैसे गीतों की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। मंच से उठती सुरों की लहरियों और दर्शकों की "वंस मोर" की गूंज ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। सांस्कृतिक

कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनभर विभिन्न रचनात्मक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकारों पर आधारित प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से एसिड अटैक, दुष्कर्म, कन्या भ्रूण हत्या और वृद्धाश्रम जैसी ज्वलंत समस्याओं पर जागरूकता का संदेश दिया। इन प्रस्तुतियों को दर्शकों की सराहना प्राप्त हुई। 'मृदंग-2026' का यह संगीतमय समापन युवाओं के जोश, सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक जागरूकता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा। हरियाणवी एवं बॉलीवुड धुनों के संगम ने आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया।

आयोजन के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

खनन कारोबारियों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापे

शादी के बहाने आयकर का सर्जिकल स्ट्राइक

तमसा संकेत, संवाददाता

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में मंगलवार उस समय हड़कंप मच गया, जब आयकर विभाग की टीम ने बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू कर दी. करीब 25 वाहनों के काफिले के साथ पहुंचे 60 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी अलग-अलग दिशाओं से शहर में दाखिल हुए और सीधे चिन्हित ठिकानों की ओर बढ़ गए. कार्रवाई इतनी गोपनीय रखी गई कि कई लग्जरी गाड़ियों पर शादी समारोह के पंपलेट चस्पा किए गए थे, ताकि किसी को शक न हो और पूरी प्रक्रिया बिना शोर-शराबे के पूरी की जा सके. सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई खनन

कारोबार से जुड़े लगभग आधा दर्जन बड़े व्यापारियों के घरों और प्रतिष्ठानों पर की जा रही है. ओबरा थाना क्षेत्र में तीन से अधिक स्थानों पर एक साथ दबिश दी गई, जिससे पूरे खनन व्यवसाय में खलबली मच गई है.अधिकारियों की टीम सुबह-सुबह दस्तावेजों की गहन जांच में जुट गई और वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं. बताया जा रहा है कि टीम विशेष वित्तीय लेनदेन, कर भुगतान और खनन से जुड़े दस्तावेजों की गहन पड़ताल कर रही है. देर शाम तक कार्रवाई जारी रहने की संभावना है. इस ताबड़तोड़ छापेमारी ने जिले में हलचल बढ़ा दी है और आगे और भी खुलासों की उम्मीद जताई जा रही है.

सुरक्षा व्यवस्था टाइट

बता दे कि, कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके. अधिकारियों के साथ स्थानीय पुलिस फोर्स भी मौजूद है और संबंधित परिसरों के बाहर आवाजाही सीमित कर दी गई है.छापेमारी की सूचना फैलते ही जिले के अन्य खनन कारोबारियों में भी बेचैनी का माहौल देखा गया.कई व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए, जबकि कुछ ने मीडिया से दूरी बना ली. हालांकि, आयकर विभाग के अधिकारी फिलहाल मीडिया को किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी देने से बच रहे हैं.

पृष्ठ 01 का शेष...

पीएम मोदी 9 साल...

इसके बाद वे होटल पहुंचे जहां, प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परफोर्मेंस भी दी। मोदी का यह 9 साल बाद दूसरा इजराइल दौरा है। इससे पहले वे जुलाई 2017 में तेल अवीव गए थे।

मोदी के इस दौरे पर भारत और इजराइल के हथियारों से जुड़ी डील पर बातचीत की संभावना है। इनमें ड्रोन और एंटी बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम शामिल हैं। इजराइली अखबार, द जेरूसलम पोस्ट ने PM मोदी के दौरे पर उनके स्वागत के लिए एक खास फ्रंट पेज छापा।

इजराइल की विशेष...

मोदी के इजराइल दौरे की टाइमिंग को लेकर विदेश मामलों की स्थायी संसदीय समिति ने सवाल उठाए हैं। यह दौरा ऐसे वक्त हो रहा है जब पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका की सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं।

यहूदियों के नरसंहार...

यहां रखी 'बुक ऑफ नेम्स' में लाखों पीड़ितों का विवरण दर्ज है। प्रधानमंत्री इन अभिलेखों का अवलोकन करेंगे और होलोकॉस्ट के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यद वाशेम के बाद प्रधानमंत्री मोदी इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात करेंगे। बैठक में राजनीतिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। दोनों नेता क्षेत्रीय स्थिरता, पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।

भारत-इजराइल ...

इसमें प्रिसीजन गाइडेड बम और मिसाइल सिस्टम के साथ एडवांस ड्रोन भी शामिल हो सकते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारत हैरोन MK-2 MALE ड्रोन खरीदने की योजना बना रहा है। यह ड्रोन 45 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है, 470 किलोग्राम भार उठा सकता है और 35 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ सहयोग, इंडिया-मिडल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (IMEC), व्यापार और निवेश, एडवांस टेक्नोलॉजी व इनोवेशन में जैसे मुद्दों पर भी बातचीत संभव हैं। हालांकि संभावित समझौतों को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

आयरन डोम डिफेंस ...

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच एजेंडे में आयरन डोम को लेकर बातचीत भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इजराइल इस टेक्नोलॉजी को भारत के साथ शेयर करने के लिए है। रेवाच ने कहा कि दोनों देशों के बीच पहले से मजबूत रक्षा संबंध है। अब इसे आगे बढ़ाते हुए भारत में सैन्य उपकरणों के निर्माण पर फोकस किया जाएगा।

झारखंड मुख्यमंत्री ...

उन्होंने यह भी कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए, छोटे-मोटे मामलों से ध्यान हटा लेना चाहिए। ED के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि सोरेन को सात बार समन भेजा गया, पर वह पेश नहीं हुए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ED के समन पर पेश होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उनके वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि सोरेन तीन बार ईडी के सामने पेश हुए, लेकिन हर बार उन्हें हिरासत में ले लिया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स ...

कुबोता कारपोरेशन, वर्ष 1890 में स्थापित जापान की एक अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और जिसका मुख्यालय ओसाका में स्थित है। यह कृषि और औद्योगिक मशीनरी निर्माण में वैश्विक पहचान रखती है। कंपनी ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, इंजन और निर्माण उपकरण के साथ साथ जल और पर्यावरण अवसंरचना समाधान जैसे पाइप, पंप और ट्रीटमेंट सिस्टम के क्षेत्र में भी कार्यरत है।

इंडिगो फ्लाइट में ...

यात्रियों ने यह भी दावा किया कि फ्लाइट पहले तकनीकी खराबी के कारण लेट हुई। इसके बाद ड्यूटी टाइम खत्म होने का हवाला देते हुए पायलट भी विमान से उतर गया। दूसरा पायलट लगभग 11 बजे पहुंचा। इसके बाद दोपहर में विमान ने उड़ान भरी। एयरपोर्ट के पार्किंग में कई यात्री फ्लाइट के गेट पर क्रू से बहस करते दिखे।

'न्यायपालिका को ...

यह निंदनीय है। सिंघवी ने कहा कि NCERT ने मान लिया है कि राजनीति, ब्यूरोक्रेसी और अन्य संस्थानों में भ्रष्टाचार है ही नहीं।

इसपर CJI सूर्यकांत ने कहा- दुनिया में किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह एक सोची-समझी और गहरी साजिश लगती है। मुझे पता है इससे कैसे निपटना है।मैं यह केस खुद हैंडल करूंगा। हम इस बारे में और कुछ नहीं कहना चाहते।

NCERT चेयरमैन दिनेश प्रसाद सकलानी का इस मुद्दे पर कोई जवाब नहीं आया है। काउंसिल के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि मामला अब कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए वे इस मुद्दे पर कुछ भी नहीं बोंलेंगे।

सरकारी सूत्रों ने कहा...

सरकारी सूत्रों ने कहा कि अगर भ्रष्टाचार का मुद्दा शामिल करना था, तो उसमें शासन के तीनों अंगों- कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को भी जोड़ा जाना चाहिए था।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित आंकड़े संसदीय अभिलेखों और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड में मौजूद हैं, लेकिन फैक्ट्स के क्रॉस वेरिफिकेशन के लिए केंद्र से परामर्श नहीं लिया गया।

आजीवन कारावास...

नैनी सेंट्रल जेल नैनी सेंट्रल जेल प्रदेश की उच्च सुरक्षा श्रेणी की जेलों में शामिल है। यहां संवेदनशील और गंभीर मामलों में सजायाफ्ता बंदियों को रखा जाता है।

प्रभारी जेलर सूर्यभान सरोज ने स्थानांतरण की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई प्रशासनिक स्तर पर लिए गए निर्णय के तहत की गई है।

मायावती के इकलौते ...

रेड का पता चलते ही उमाशंकर के समधी और पूर्व विधायक राकेश सिंह पहुंचे। लेकिन, टीम ने उन्हें अंदर जाने नहीं दिया।

वहीं, सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज में टीम 12 गाड़ियों में कंपनी के दफ्तर पहुंची। कुछ गाड़ियों पर शादी के पंपलेट लगे थे। यानी अफसर बाराती बनकर पहुंचे। फिलहाल टीम यहां भी दस्तावेज खंगाल रही है। इसके अलावा बलिया के रसड़ा में स्थित उमाशंकर के घर पर भी टीम पहुंची है। मेन गेट बंद कर अंदर सर्चिंग की जा रही है।

उधर, कौशांबी में विधायक के गिट्टी और बालू मिक्सिंग प्लांट पर भी आयकर विभाग ने छापा मारा। अधिकारियों ने प्लांट परिसर को घेर लिया और अंदर मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की।

सूत्रों के मुताबिक, अगस्त 2025 में आई CAG रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि उनकी कंपनी ने 33,604 घनमीटर गिट्टी का अवैध खनन किया। इससे सरकार को करोड़ों का नुकसान हुआ। माना जा रहा है, इसी रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई हो रही है। हालांकि, विभाग की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। उमाशंकर सिंह बलिया की रसड़ा विधानसभा से लगातार 3 बार से विधायक हैं। उन्हें ब्लड कैंसर है। पिछले महीने ही अमेरिका से ब्लड चेंज कराकर लौटे हैं। फिलहाल लखनऊ आवास पर आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे हैं।

उधर, IT की इस कार्रवाई को लेकर योगी सरकार के मंत्री दिनेश सिंह ने नाराजगी जताई। कहा- अगर उन्हें कुछ हुआ, तो इसकी जिम्मेदारी संवेदनहीन संस्थाओं की होगी।

मंत्री दिनेश ने लिखा...

सब अच्छी तरह से जानते हैं कि 2 साल से जिंदगी-मौत से संघर्ष कर रहे हैं। उनके सारे धंधे बंद हो चुके हैं। परिवार इलाज कराने में कभी अमेरिका, दिल्ली लखनऊ के बीच में दौड़ रहा है।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल जारी

12 टीमें खेलेंगी 33 मुकाबले, पाकिस्तान के खिलाफ मैच से शुरू होगा भारत का अभियान

न्यूजीलैंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप की मौजूदा चैंपियन है। टीम ने 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को 32 रन से हराया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का आधिकारिक शेड्यूल जारी कर दिया है। टूर्नामेंट का 10वां संस्करण 12 जून से 5 जुलाई 2026 तक इंग्लैंड में आयोजित किया जाएगा। इस बार प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जो इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। ICC का यह कदम महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर और मजबूत बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। ICC के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने शेड्यूल जारी होने पर कहा कि यह टूर्नामेंट महिला क्रिकेट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि ICC लगातार महिला क्रिकेट में निवेश बढ़ा रहा है, जिसमें भागीदारी बढ़ाना, बेहतर आयोजन, उच्च स्तर का प्रसारण, अधिक पुरस्कार राशि और व्यावसायिक साझेदारियों को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह टूर्नामेंट महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा और दुनिया भर में इसकी लोकप्रियता में और वृद्धि करेगा। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक रिकॉर्ड छह बार खिताब अपने नाम किया है, जिससे उसने इस फॉर्मेट में अपनी बादशाहत कायम रखी है। इसके अलावा इंग्लैंड ने 2009 में पहला संस्करण जीतकर इतिहास रचा था, जबकि वेस्टइंडीज ने 2016 में खिताब जीतकर सभी को चौंका दिया था। भारत की टीम भी पिछले कुछ वर्षों में लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है।

महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक टूर्नामेंट बनने की उम्मीद

ICC विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली बार 12 टीमों की भागीदारी महिला क्रिकेट के विस्तार का स्पष्ट संकेत है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह टूर्नामेंट न केवल प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगा बल्कि नए देशों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगा।

> टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला 12 जून को मेजबान इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला टूर्नामेंट की शुरुआत के साथ ही रोमांचक प्रतिस्पर्धा का संकेत देगा। इंग्लैंड की टीम घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी, जबकि श्रीलंका मजबूत प्रदर्शन कर उलटफेर करने की उम्मीद में मैदान पर उतरेगी।

दो ग्रुप में बांटी गई हैं 12 टीमें

ICC ने सभी 12 टीमों को 6-6 टीमों के दो ग्रुप में विभाजित किया है। प्रत्येक टीम अपने ग्रुप की अन्य टीमों के खिलाफ मुकाबले खेलेगी। ग्रुप चरण समाप्त होने के बाद दोनों ग्रुप की शीर्ष दो-दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। इसके बाद विजेता टीमें फाइनल में खिताब के लिए भिड़ेंगी। इस नए फॉर्मेट से प्रतियोगिता और अधिक प्रतिस्पर्धी होने की उम्मीद है, क्योंकि अधिक टीमों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले से शुरू होगा टीम इंडिया का अभियान

भारत महिला क्रिकेट टीम इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला 14 जून को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेलेगी। भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा से हाई-वोल्टेज मुकाबला माना जाता है और इस मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि उसके ग्रुप में मौजूदा दिग्गज टीम ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के अलावा दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम, बांग्लादेश महिला क्रिकेट टीम और नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम भी शामिल हैं। ऐसे में भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

16 साल पहले आज ही सचिन ने लगाया था दोहरा-शतक

मुंबई। आज ही के दिन 16 साल पहले मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इतिहास रचा था। 24 फरवरी 2010 को ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ सचिन वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने इस ऐतिहासिक पारी में सचिन ने 147 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 200 रन बनाए। यह वनडे इतिहास का पहला ही दोहरा शतक था। वनडे क्रिकेट में सचिन से पहले 2 बैटर्स 194 तक पहुंचे थे। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अनवर ने 1997 में भारत के खिलाफ चेन्नई में ही 194 रन बनाए थे। 2009 में फिर जिम्बाब्वे के चार्ल्स कॉवेंट्री ने बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 194 रन की पारी खेली थी। सचिन ने वनडे इंटरनेशनल में 5 बार 150 या उससे ज्यादा के स्कोर बनाए। डबल सेंचुरी के अलावा सचिन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 186, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 175, न्यूजीलैंड के खिलाफ ही 163 और नामीबिया के खिलाफ 152 रन बनाए हैं।

रहस्यमयी नॉर्थ कोरिया की 'फुटबॉल डिप्लोमेसी'

16 साल बाद एशियन मंच पर वापसी कर रही महिला टीम

सिडनी/प्योंगयोंग, एजेंसी

दुनिया के सबसे रहस्यमयी देशों में शुमार नॉर्थ कोरिया एक बार फिर सुर्खियों में है। एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे विमंस एशियन कप में नॉर्थ कोरिया की महिला फुटबॉल टीम हिस्सा लेने जा रही है। लंबे समय तक अंतर-राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से लगभग गायब रहने के 16 साल बाद वर्ल्ड नंबर-9 टीम टूर्नामेंट में उतर रही है। नॉर्थ कोरिया के महिला फुटबॉल की कहानी 1986 में शुरू हुई थी। कहा जाता है कि जब फीफा कांग्रेस में महिलाओं के लिए वर्ल्ड कप की मांग उठी, तो नॉर्थ कोरियाई प्रतिनिधियों ने इसे अपनी गिरती राजनीतिक साख को बचाने के एक मौके के तौर पर देखा। नॉर्थ कोरिया ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत महिलाओं के खेल में भारी निवेश किया। स्कूल पाठ्यक्रम में फुटबॉल कार्यक्रम जोड़े गए, सेना में महिला टीमें बनाई गईं और देशभर में फुटबॉल से जुड़ी फेसिलिटी तैयार की गईं। तत्कालीन नेता किम जोंग-इल (फुटबॉल प्रेमी) ने महिला फुटबॉल को 'पॉलिटिकल प्रोपेगेंडा' का जरिया बनाया। 2010 तक नॉर्थ कोरिया एशिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक थी। 2011 में टीम की रफ्तार पर तब ब्रेक लग गया, जब वर्ल्ड कप के दौरान पांच खिलाड़ी डोप टेस्ट में फेल हो गईं।

पूर्व पत्नी को 5.7 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश, दिल्ली कोर्ट ने सुनाया फैसला

शिखर धवन केस में बड़ा फैसला

मुबंई। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन की पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी को 5.7 करोड़ रुपए लौटाने होंगे। धवन ने यह पैसा आयशा को तलाक के बाद सेटलमेंट के रूप में दिया था, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट का मानना है कि धवन की ओर से प्रॉपर्टी सेटलमेंट के रूप में दी गई यह रकम भारतीय कानून के हिसाब से सही नहीं है। लिहाजा ऑस्ट्रेलिया की फैमिली कोर्ट का फैसला भारत पर लागू नहीं होगा। धवन ने 2010 में टी-20 और 2011 में भारत के लिए वनडे डेब्यू किया। हालांकि, टीम में जगह बनाने में उन्हें 3 साल लग गए। 2013 में उन्होंने टेस्ट डेब्यू किया, यहीं से वे तीनों फॉर्मेट में फिक्स हो गए। उन्होंने 10 दिसंबर 2022 तक भारत के लिए 167 वनडे, 68 टी-20 और 34 टेस्ट खेले। इनमें 24 शतक और 55 फिफ्टी शामिल रहीं। उन्होंने 2024 में सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। लेकिन अलग-अलग धर्मों के हिसाब से इसे लागू किया जाता है। हिंदू मैरेज एक्ट के तहत धारा 27 में तलाक के समय पति-पत्नी के संयुक्त मालिकाना हक वाली प्रॉपर्टी का बंटवारा किया जाता है। इस कानून में स्त्रीधन का प्रावधान है, जो पत्नी को मिले गिफ्ट, ज्वैलरी, फर्नीचर आदि के रूप में होता है और तलाक के समय यह संपत्ति सिर्फ पत्नी को दी जाती है। कानून की धारा 25 के तहत तलाक की स्थिति में पत्नी को गुजारा भत्ता पाने का अधिकार होता है। धवन और उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी का अक्टूबर 2023 में आधिकारिक तौर पर तलाक हुआ था। दोनों की शादी 2011 में हुई थी और यह रिश्ता करीब 11 साल चला। आयशा की पहले की शादी से दो बेटियां हैं।

दिल्ली कोर्ट ने ऑस्ट्रेलियाई आदेश पर सवाल उठाए

दिल्ली की फैमिली कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आयशा कोर्ट में पेश भी नहीं हुई हैं और ऑस्ट्रेलिया की कोर्ट ने धवन के खिलाफ एकतरफा फैसला सुनाया था। ऑस्ट्रेलिया की कोर्ट ने कहा था कि धवन ऑस्ट्रेलिया में मौजूद अपनी सभी संपत्तियों को बेचकर सारा पैसा पत्नी आयशा को दें। दिल्ली की फैमिली कोर्ट ने यह भी पाया कि धवन को जबरिया 82 हजार डॉलर का भुगतान करना पड़ा था। कोर्ट ने फैसले में आयशा को प्रॉपर्टी बेचकर मिली 5.70 करोड़ की रकम धवन को लौटाने का भी आदेश दिया है। भारत में मैरिज एक्ट के तहत प्रॉपर्टी सेटलमेंट का कोई एक समान और स्पष्ट प्रावधान नहीं है।

ऑस्ट्रेलियाई कानून के तहत 60% हिस्सेदारी का आदेश

ऑस्ट्रेलिया के कानून के तहत पति की सभी प्रॉपर्टी को मेराइटल पूल में माना जाता है। इसी कानून के तहत ऑस्ट्रेलिया की कोर्ट ने धवन की भारत और विदेश में स्थित सभी संपत्तियों में से 60 फीसदी हिस्सा उनकी पत्नी आयशा को देने का आदेश दिया था। ऑस्ट्रेलिया की कोर्ट ने धवन के लिए 1975 एक्ट की धारा 79 का इस्तेमाल किया था। और उन्हें प्रॉपर्टी बेचकर 8.12 लाख ऑस्ट्रेलियन डॉलर देने का आदेश दिया था।

शिखर धवन की पहली शादी 2011 में हुई थी।

> रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली की फैमिली कोर्ट के जज देवेंद्र कुमार गर्ग ने अपने आदेश में कहा है कि आयशा ऑस्ट्रेलिया की अदालत के फैसले के तहत शिखर धवन से 16.9 करोड़ रुपए की डिमांड नहीं कर सकती हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, भारतीय फैमिली लॉ एक्ट 1975 के तहत प्रॉपर्टी सेटलमेंट का नियम भारतीय मैट्रिमोनियल लॉ और हिंदू मैरेज एक्ट 1955 के साथ ही मेल खाता है। लिहाजा आयशा ने प्रॉपर्टी सेटलमेंट नियम के तहत जो 5.7 करोड़ की रकम ली है, उसे शखिर धवन को लौटाना होगा।

द केरल स्टोरी-2 के मेकर्स को कोर्ट की फटकार

प्री-स्क्रीनिंग का आदेश मानने से इनकार किया

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म द केरल स्टोरी 2 विवादों में हैं। फिल्म रिलीज के खिलाफ राज्य की गलत छवि दिखाने के आरोप में याचिका दायर की गई थी। बुधवार को केरल हाईकोर्ट में इस याचिका की सुनवाई के दौरान मेकर्स को कोर्ट के लिए प्री-स्क्रीनिंग रखने का आदेश दिया गया, हालांकि मेकर्स ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। याचिका की सुनवाई के दौरान मेकर्स से कहा गया कि 27 फरवरी को रिलीज होने वाली इस फिल्म की रिलीज से पहले कोच्चि में कोर्ट के लिए इसकी स्क्रीनिंग रखी जाए। मेकर्स द्वारा आदेश न मानने के बाद केस की सुनवाई टाल दी गई है। जस्टिस बेछु कुरियन थोमस ने आदेश दिया कि अब सुनवाई दोपहर 3 बजे के बाद होगी। इस याचिका पर मंगलवार को भी सुनवाई हुई। तब फिल्म के प्रोड्यूसर्स की ओर से पेश हुए सीनियर वकील एस. श्रीकुमार ने कहा कि पहले कोर्ट को यह तय करना चाहिए कि ये याचिकाएं जनहित याचिका हैं या निजी याचिका। इस पर जस्टिस बेछू कुरियन थॉमस ने मेकर्स से कहा, "आप नहीं चाहते कि कोर्ट फिल्म देखे।

प्रोसीजर के बाद भी बना हुआ है दर्द, पति शोएब इब्राहिम बोले- चिंता की कोई बात नहीं है

दीपिका कक्कड़ के 13 एमएम सिस्ट की सर्जरी हुई

> *लेजर प्रोसीजर के बाद शोएब इब्राहिन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वो लिखते हैं, अल्लाह के करम से और आप सभी की दुआओं से डिप्पी (दीपिका) का प्रोसीजर पूरा हो गया है। सब कुछ अच्छी तरह से हुआ। वह भी ठीक है, बस थोड़ा दर्द में है।*

मुबंई। बीते साल लिवर कैंसर को मात दे चुकीं एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ के पेट में हाल ही में 13एमएम का एक सिस्ट डिटेक्ट हुआ था। इस डायग्नोज से एक्ट्रेस बेहद डर गईं क्योंकि डॉक्टर्स ने कहा था कि कैंसर फिर हो सकता है। अब 24 फरवरी को एक्ट्रेस की सिस्ट में लेजर प्रोसीजर किया गया है। उनके पति और एक्टर शोएब इब्राहिम ने दीपिका की हेल्थ का अपडेट देते हुए बताया है कि वो प्रोसीजर अच्छी तरह हुआ, जिसके बाद अब

एक्ट्रेस ठीक हैं। हालांकि उन्हें कुछ समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ेगा। कुछ समय पहले ही शोएब और दीपिका ने व्लॉग के जरिए बताया था कि 20 फरवरी को एक्ट्रेस के पेट में तेज दर्द हुआ। अगले दिन दर्द काफी बढ़ गया, जिसके बाद वो हॉस्पिटल गए। सीटी स्कैन करवाने पर सामने आया कि एक्ट्रेस के पेट में 13 एमएम का सिस्ट है।

बीते साल हुआ था स्टेज-2 लिवर कैंसर

एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ बीते साल सेलिब्रिटी मास्टर शेफ का हिस्सा थीं। हालांकि तबीयत बिगड़ने के बाद उन्होंने शो छोड़ दिया था। उन्हें कंधे में तेज दर्द बना हुआ था। जांच करवाने में सामने आया कि उनके लिवर में एक टेनिस बॉल जितना बड़ा सिस्ट है। जांच में ये भी सामने आया कि ये एक तरह का कैंसर है। जून 2025 में एक्ट्रेस का 14 घंटे का ऑपरेशन हुआ था, जिसमें उनके लिवर और गालब्लेडर का 22 प्रतिशत हिस्सा काटकर अलग कर दिया गया। एक्ट्रेस कैंसर फ्री हो गई थीं।

मास्क से चेहरा छिपाया, पैपराजी को किया वेव, 7 नवंबर को दिया बेटे विहान को जन्म

मां बनने के बाद कटरीना की पहली पब्लिक अपीयरेंस

नई दिल्ली, एजेंसी

कटरीना कैफ मां बनने के बाद पहली बार पब्लिकली नजर आई हैं। एक्ट्रेस ने 7 नवंबर 2025 को बेटे को जन्म दिया था, इसके बाद से ही वो कहीं भी स्पॉट नहीं हुई हैं। लंबे समय बाद एक्ट्रेस पब्लिकली आईं, हालांकि इस दौरान उन्होंने मास्क से अपना चेहरा छिपा रखा था। मंगलवार को कटरीना कैफ को सेलिब्रिटी पिलाटे ट्रेनर यासमिन कराचीवाला के साथ स्पॉट किया गया है। इस दौरान उन्होंने व्हाइट टी-शर्ट के साथ ब्लैक जैकेट पहन रखी थी। बंधे बालों में एक्ट्रेस ने ब्लैक मास्क से चेहरा छिपाया हुआ था। सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस का वजन काफी बढ़ा हुआ लग रहा है। स्पॉटिंग के दौरान एक्ट्रेस ने मेकअप नहीं किया था। अचानक हुई स्पॉटिंग के बाद एक्ट्रेस कैमरों से बचती नजर आईं, हालांकि बाद में उन्होंने पैपराजी को वेव किया। कटरीना कैफ ने 9 दिसंबर 2021 में एक्टर विक्की कौशल से शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात एक अवॉर्ड शो में हुई थी, जिसके बाद दोनों चंद मुलाकातों के बाद रिलेशनशिप में आ गए थे। कपल ने हिंदू रीति-रिवाजों से राजस्थान के सवई माधौपुर के सिक्स सेंस रिसोर्ट में शादी की है।

विक्की कौशल ने कटरीना को कहा सुपरहीरो

हाल ही में विक्की कौशल ने ई-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कटरीना कैफ के मदरहुड फेज पर बात की है। उन्होंने कहा-"मां ही असली सुपरहीरो है। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक योद्धा की तरह मजबूती दिखाई है और मां बनने के बाद भी वह उतनी ही मजबूत रही हैं।

> कटरीना कैफ ने 7 नवंबर को बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए लिखा था, हमारी खुशियों का पिटारा आ गया है। बहुत सारे प्यार आभार के साथ हम अपने बेटे का स्वागत करते हैं। 7 नवंबर 2025।

7 नवंबर को दिया बेटे को जन्म, नाम रखा विहान

बेटे के जन्म के करीब डेढ़ महीने बाद विक्की कटरीना ने बेटे के नाम की घोषणा की। उन्होंने बेटे का नाम विहान कौशल रखा है। इसकी घोषणा करते हुए कपल ने लिखा, हमारी रोशनी की किरण विहान कौशल। दुआओं का जवाब मिला। जिंदगी खूबसूरत है। हमारी दुनिया अचानक बदल गई। आभार के लिए शब्द नहीं हैं। कटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 की फिल्म मैरी क्रिसमस में देखा गया है। फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति लीड रोल में थे। इसके बाद से ही एक्ट्रेस किसी फिल्म में नजर नहीं आई हैं।

कंगना रनोट मानहानि केस में 10 मार्च को सुनवाई

बठिंडा में वकीलों की हड़ताल के कारण बढ़ी तारीख

बठिंडा, एजेंसी

मंडी से सांसद कंगना रनोट के खिलाफ मानहानि मामले की अगली सुनवाई अब 10 मार्च को बठिंडा कोर्ट में होगी। बठिंडा कोर्ट में वकीलों की हड़ताल के कारण शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी, जिसके चलते अगली तारीख तय की गई है। किसान महिला बेबे महिंदर कौर के वकील रघबीर सिंह बहनीवाल ने बताया कि अगली सुनवाई पर उनकी ओर से दो गवाह पेश किए जाएंगे, जिनमें एक किसान नेता भी शामिल होंगे। इसके साथ ही, कंगना रनोट के पासपोर्ट सरेंडर करने की अर्जी पर भी कोर्ट सुनवाई करेगा। वकील बहनीवाल ने कोर्ट में कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। उन्होंने यह भी बताया कि बेबे महिंदर कौर और उनका परिवार न्याय के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। बता दे कि यह मामला दिल्ली में कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन से जुड़ा है। उस दौरान, बठिंडा के गांव बहादुरगढ़ जंडिया निवासी बेबे महिंदर कौर ने याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कंगना रनोट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उनके खिलाफ एक पोस्ट डाली थी। कंगना रनौत ने कथित तौर पर अपनी पोस्ट में कहा था कि ऐसी महिलाएं धरने पर 100-100 रुपये लेकर आती हैं। इसी टिप्पणी के बाद से बेबे महिंदर कौर ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

5 लाख घरों की बिजली गुल, 153 साल में पहली बार अखबार नहीं छप सका

बर्फीले तूफान से 11 हजार फ्लाइट रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का लगभग 20% था। यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर ने दी। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में लगभग 37 इंच तक बर्फ गिरी। बर्फबारी की वजह से उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से ज्यादा घरों की बिजली चली गई। सोमवार शाम तक 5 लाख 19 हजार 232 घर और ऑफिस बिना बिजली के थे। भारी बर्फबारी के कारण द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार अखबार नहीं छाप सका क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए। वहीं मैसाचुसेट्स की गवर्नर मॉरा हीली ने कुछ इलाकों में ट्रैवल बैन लागू किया और लोगों से घर में रहने की अपील की। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने भी पूरे राज्य में ट्रैवल बैन लगा दिया। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने भी पूरे राज्य में इमरजेंसी की घोषणा की और नेशनल गार्ड को अलर्ट पर रखा है। तूफान का असर सिर्फ सड़कों और हवाई सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। न्यूयॉर्क और बोस्टन के बीच ट्रेन सेवा सोमवार रात तक सस्पेंड रही। थिएटर ब्रॉडवे के सभी शो रविवार शाम रद्द कर दिए गए। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि यह पिछले लगभग एक दशक का सबसे शक्तिशाली नॉरईस्टर तूफान है। कई इलाकों में प्रति घंटे 2 से 3 इंच तक बर्फ गिरने की चेतावनी दी गई है और हवा की रफ्तार कुछ जगह 110 मील प्रति घंटे तक पहुंच गई। नॉरईस्टर एक तरह का तेज तूफान होता है जो अमेरिका के पूर्वी तट पर आता है। इसे नॉरईस्टर इसलिए कहते हैं क्योंकि इसमें हवाएं आमतौर पर उत्तर-पूर्व (नॉर्थ-ईस्ट) दिशा से चलती हैं।

अमेरिका में भीषण बर्फबारी जारी है। सड़कें पूरी तरह बर्फ की सफेद चादर से ढक गए हैं।

बर्फबारी से कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित

न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लॉन्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी। प्रोविडेंस, रोड आइलैंड में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 के पुराने रिकॉर्ड 28.6 इंच को तोड़ दिया। हालात इतने खराब हो गए कि कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। न्यूयॉर्क सिटी में स्कूलों, सड़कों, पुलों और हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। बाद में हालात सुधरने पर मेयर जोहरान ममदानी ने यह आदेश हटा लिया और कहा कि स्कूल मंगलवार को खुलेंगे।

गर्म और नम हवा मिलकर बनाती है यह तूफान

अमेरिका के उत्तर-पूर्व में आने वाला यह विंटर स्टॉर्म इसलिए बनता है क्योंकि वहां मौसम की कुछ खास स्थितियां एकसाथ बन जाती हैं। सर्दियों में कनाडा की तरफ से बहुत ठंडी हवा नीचे की ओर आती है। उसी समय समुद्र की तरफ से हल्की गर्म और नम हवा ऊपर उठती है। जब ये दोनों आमने-सामने आती हैं तो मौसम अचानक बिगड़ जाता है और तेज बर्फीला तूफान बन जाता है।

भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाई : ट्रम्प

गाजा सीजफायर बड़ी जीत, वेनेजुएला नया दोस्त

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह संसद में भाषण दिया। साल की शुरुआत में संसद में प्रेसिडेंट के भाषण को 'स्टेट ऑफ द यूनियन' स्पीच कहा जाता है। ट्रम्प ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। ट्रम्प यह बात 100 से ज्यादा बार दोहरा चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि दोनों देशों के बीच परमाणु जंग में 3.5 करोड़ लोगों के मारे जाने की आशंका थी। हालांकि, भारत इस दावे को हमेशा खारिज करता आया है। अपने भाषण में ट्रम्प ने

इजराइल-हमास के बीच गाजा सीजफायर को अपनी उपलब्धि कहा। ट्रम्प ने ईरान को लेकर दावा किया कि अमेरिका ने पिछले साल जुलाई में हमला कर उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया था। साथ ही 28 दिसंबर से 14 जनवरी के बीच महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 32 हजार प्रदर्शनकारियों को मारने का आरोप भी लगाया।

फास्ट न्यूज

टाटा संस के चंद्रशेखरन के तीसरे टर्म पर फैसला टला

नई दिल्ली। टाटा संस की बोर्ड मीटिंग में मंगलवार को चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर हुई चर्चा बेनतीजा रही। मीटिंग के दौरान मतभेद उभरने के बाद खुद चंद्रशेखरन ने अपना कार्यकाल बढ़ाने के प्रस्ताव को टालने की बात कही। उन्होंने कहा कि टाटा ग्रुप तभी सबसे अच्छा काम करता है जब टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के फैसले एक समान हों।

आईआरएफसी में 4% हिस्सेदारी बेचेगी सरकार, फ्लोर प्राइस ₹104 तय

मुंबई। सरकार रेलवे की फाइनेंस कंपनी IRFC में अपनी 4% तक हिस्सेदारी बेच रही है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए की जा रही है। यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए आज से खुल गया है। वहीं, रिटेल निवेशक गुरुवार, 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे। इसके लिए फ्लोर प्राइस 104 प्रति शेयर तय किया गया है। मंगलवार, 24 फरवरी को IRFC का शेयर 109.40 पर बंद हुआ था। यानी सरकार निवेशकों को मौजूदा कीमत से डिस्काउंट पर शेयर ऑफर किया है।

आइसक्रीम से वैश्विक कंपनियों का मोहभंग

लंदन/ज्यूरिख। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य और पेय कंपनी नेस्ले आइसक्रीम के कारोबार को 'ठंडे बस्ते' में डालने जा रही है। दरअसल वैश्विक एफएम-सीजी सेक्टर में कुछ समय से एक ट्रेंड देखा जा रहा है। दिग्गज कंपनियों का आइसक्रीम बिजनेस से मोहभंग हो रहा है। नेस्ले ने पुष्टि की है कि वह अपने शेष आइसक्रीम पोर्टफोलियो को संयुक्त उद्यम साझेदार 'फ्रोनेरी' को बेचने के लिए बातचीत कर रही है।

भारतीय सोलर पैनल पर अमेरिका ने 126% ड्यूटी लगाई

कहा- चीन भारत के जरिए भेज रहा सस्ते प्रोडक्ट, लाओस और इंडोनेशिया पर भी टैक्स

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने भारत से आने वाले सोलर पैनलों और सेल पर 126% की शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग का कहना है कि भारत अपने मैन्युफैक्चरर्स को गलत तरीके से सब्सिडी दे रहा है, जिससे अमेरिकी घरेलू कंपनियों को नुकसान हो रहा है। भारत के अलावा लाओस और इंडोनेशिया पर भी 81% से 143% तक की लेवी लगाई गई है। शुरुआती जांच के आधार पर यह फैसला लिया गया है। जांच पर अंतिम फैसला 6 जुलाई को आएगा। यानी सब्सिडी की बात साबित हो जाती है, तो यह टैक्स स्थायी हो जाएगा। इस फैसले से भारतीय सोलर एक्सपोर्टर्स के लिए अमेरिकी बाजार में टिकना मुश्किल हो सकता है। 126% ड्यूटी लगने

का मतलब है कि इन पैनलों की कीमत अमेरिका में दोगुनी से भी ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में अमेरिकी खरीदार भारतीय माल के बजाय लोकल कंपनियों या अन्य देशों से पैनल खरीदना पसंद करेंगे क्योंकि भारतीय प्रोडक्ट अब कॉम्पिटिशन से बाहर हो जाएंगे। यह टैक्स उन 10% ग्लोबल टैरिफ से अलग है, जिसकी घोषणा ट्रम्प ने हाल ही में की थी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते ट्रम्प के पुराने टैरिफ प्लान को रद्द कर दिया था जिसके बाद उन्होंने नए सिरे से टैरिफ लगाए थे। अब इस नए फैसले ने इंडस्ट्री की चिंता बढ़ा दी है। ब्लूमबर्ग एनईएफ के के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में अमेरिका में होने वाले कुल सोलर मॉड्यूल आयात का 57% हिस्सा भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आया था। भारतीय एक्सपोर्ट की बात करें तो 2024 में अमेरिका को 792.6 मिलियन डॉलर (करीब 7,200 करोड़ रुपए) के सोलर उत्पाद भेजे गए थे, जो 2022 की तुलना में 9 गुना ज्यादा है। चीनी प्रोडक्ट को भारत-इंडोनेशिया के जरिए भेजने का आरोप अमेरिकी सोलर मैन्युफैक्चरर्स का आरोप है कि चीनी कंपनियां अमेरिकी टैरिफ से बचने के लिए भारत, इंडोनेशिया और लाओस जैसे देशों के रास्ते अपना माल भेज रही हैं।

एपस्टीन फाइल में नाम आया था, भ्रष्टाचार केस में 10 साल जेल हो सकती है

दावा : नॉर्वे के पूर्व पीएम ने आत्महत्या की कोशिश की

ओस्लो, एजेंसी

नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थोरब्योर्न जगलैंड को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते हुई। कुछ खबरों में दावा किया गया कि नॉर्वेजियन एडिटर्स एसोसिएशन ने उनके वकील के साथ मिलकर इस मामले को सार्वजनिक न करने पर सहमति जताई थी। हालांकि कुछ मीडिया प्लेटफॉर्मस पर उनकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए यह खबर सामने आई। यह पूरा मामला यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से उनके संबंधों को लेकर चल रही जांच से जुड़ा है।

कई बार एपस्टीन के घर गए थे जगलैंड

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से 30 जनवरी को जारी दस्तावेजों से पता चला कि जगलैंड और उनका परिवार कई बार एपस्टीन की पेरिस, न्यूयॉर्क और पाम बीच वाली प्रॉपर्टी पर गए थे। यह भी सामने आया कि एपस्टीन ने उनसे बड़े नेताओं, जैसे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कराने में मदद मांगी थी।

कई मामलों में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप भी हैं। दस्तावेजों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और हिलेरी क्लिंटन जैसे हाई-प्रोफाइल नाम अलग-अलग संदर्भों में सामने आए हैं।

जगलैंड ने कहा था- एपस्टीन से रिश्ता गलत फैसला था

जगलैंड 1996-1997 के बीच नॉर्वे के प्रधानमंत्री रहे। इसके अलावा वे विदेश मंत्री, नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी के चेयरमैन (2009-2015) और यूरोप की मानवाधिकार संस्था काउंसिल ऑफ यूरोप के महासचिव (2009-2019) भी रह चुके हैं। जगलैंड ने कहा है कि एपस्टीन से उनके संबंध 'गलत फैसला' या 'खराब समझ' का नतीजा थे, लेकिन उन्होंने कोई गैरकानूनी काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और चाहते हैं कि सच्चाई पूरी तरह सामने आए।

45 मिनट लाइन में लगना पड़ रहा, मरम्मत के लिए टेक्नीशियन और सैनिकों में झड़प

यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर पर टॉयलेट जाम

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर USS जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टॉयलेट जाम हो चुके हैं। इससे 4,500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टॉयलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टॉयलेट सिस्टम बंद हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में

205 टॉयलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी। घर के टॉयलेट में फ्लश करने पर पानी के दबाव और गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) से गंदगी नीचे सीवर में चली जाती है। लेकिन समुद्र में चलने वाले जहाजों पर ऐसा सिस्टम पूरी तरह कारगर नहीं होता VCHT सिस्टम में फ्लश दबाते ही पाइप में वैक्यूम (सक्शन) बनता है। यह सक्शन गंदगी को खींचकर पाइप के जरिए एक बड़े टैंक तक पहुंचा देता है। बाद में उस वेस्ट को प्रोसेस या डिस्पोज किया जाता है।

एयरक्राफ्ट पर 600 से ज्यादा टॉयलेट मौजूद

USS जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट कैरियर बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार ऑपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डॉलर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर को 2017 में कमीशन किया गया था। सीवेज समस्या के पीछे जिस तकनीक का जिक्र हो रहा है, उसे वैक्यूम-बेस्ड VCHT सिस्टम कहा जाता है। यह आम घरों में इस्तेमाल होने वाले टॉयलेट सिस्टम से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है। VCHT का पूरा नाम वैक्यूम कलेक्शन, होल्डिंग एंड ट्रांसफर सिस्टम है।

700 अंक चढ़ने के बाद फ्लैट हुआ सेंसेक्स

मुंबई। सेंसेक्स आज यानी बुधवार 25 फरवरी को 700 अंक चढ़ने के बाद फ्लैट हो गया है। ये अब मामूली बढ़त के साथ 82,2000 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में करीब 30 अंक की तेजी है। ये 25,450 के स्तर पर आ गया है। आज के कारोबार में मेटल-आईटी शेयरों में खरीदारी है। सरकार रेलवे की फाइनेंस कंपनी IRFC में अपनी 4% तक हिस्सेदारी बेच रही है। यह बिक्री ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए की जा रही है। यह ऑफर नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए आज से खुल गया है। वहीं, रिटेल निवेशक गुरुवार, 26 फरवरी को अपनी बोलियां लगा सकेंगे। इसके लिए फ्लोर प्राइस 104 प्रति शेयर तय किया गया है। मंगलवार, 24 फरवरी को IRFC का शेयर 109.40 पर बंद हुआ था। यानी सरकार निवेशकों को मौजूदा कीमत से डिस्काउंट पर शेयर ऑफर किया है। हालांकि आज ये शेयर करीब 4% नीचे 105 रुपए पर आ गया है।

मार्च में बैंक 18 दिन बंद रहेंगे

5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 11 दिन कामकाज नहीं होगा।

नई दिल्ली, एजेंसी

अगले महीने यानी मार्च में देश के अलग-अलग राज्यों में कुल 18 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। RBI की ओर से जारी कैलेंडर के अनुसार, अगले महीने 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 11 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंक बंद रहेंगे। ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों को ध्यान में रखना होगा। यहां देखें मार्च 2026 में आपके राज्य या लोकेशन में बैंक कब-कब बंद रहेंगे... आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और ATM के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।मार्च 2026 में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 9 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 3 मार्च को होली, 26 मार्च को श्री रामनवमी और 31 मार्च को श्री महावीर जयंती पर भी बंद रहेगा।

तेजी : 10 ग्राम ₹1.60 लाख पर पहुंचा, चांदी ₹6,455 बढ़कर ₹2.69 लाख किलो हुई

सोना 3 दिन में ₹5 हजार महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार और घरेलू मांग के असर से सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। बुधवार, 25 फरवरी को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में मजबूत उछाल दर्ज किया गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत में 582 रुपए प्रति 10 ग्राम की वृद्धि हुई है, जिसके बाद इसका भाव बढ़कर 1,59,823 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,59,241 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। यह लगातार तीसरा कारोबारी दिन है जब सोने की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। पिछले तीन दिनों में ही सोना करीब

5,000 रुपए तक महंगा हो चुका है, जिससे निवेशकों और खरीदारों के बीच हलचल तेज हो गई है। सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी तेजी दर्ज की गई है। IBJA के मुताबिक, चांदी की कीमत में आज 6,455 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद चांदी का भाव बढ़कर 2,69,367 रुपए प्रति किलो पहुंच गया है। इससे पहले चांदी की कीमत 2,62,912 रुपए प्रति किलो थी। चांदी की कीमतों में यह बढ़ोतरी औद्योगिक मांग और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में चांदी में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। UBS को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है।

इस साल सोना 27,000 रुपए और चांदी 39,000 रुपए महंगी हुई

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 27,000 रुपए और चांदी 39,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था।

1.80 लाख तक जा सकता है सोना

इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी UBS के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ (ETF) में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है।

सोने-चांदी के दाम में तेजी के 3 प्रमुख कारण

- दुनिया के केंद्रीय बैंक लगातार बहुत ज्यादा सोना खरीद रहे हैं। वे डॉलर पर कम निर्भर होना चाहते हैं, इसलिए सोने को रिजर्व में डाल रहे हैं।
- अमेरिकी फेड से इस साल ब्याज दरें घटाने के संकेत दिए हैं। दरें कम होने पर गोल्ड जैसी चीजों की डिमांड बढ़ जाती है।
- जियो पॉलिटिकल टेंशन (मिडिल ईस्ट, ईरान-अमेरिका, अन्य वैश्विक विवाद) बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में लोग सुरक्षित निवेश के लिए सोने-चांदी को अपना रहे हैं।

कोकिलाबेन अंबानी ने नाथद्वारा में मनाया 92वां जन्मदिन

बिजनेसमैन मुकेश और अनिल अंबानी सहित पूरा परिवार रहा मौजूद

राजसमंद, एजेंसी

नाथद्वारा के श्रीनाथजी की हवेली में बिजनेसमैन मुकेश और अनिल अंबानी की मां कोकिलाबेन ने 92वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर पूरा अंबानी परिवार मौजूद रहा। सभी ने श्रीनाथजी के दर्शन किए और युवाचार्य गोस्वामी विशाल बावा से आशीर्वाद लिया। अंबानी परिवार मंगलवार शाम 4 बजे मंदिर में पहुंचा, सभी लोग संध्या आरती में शामिल हुए। श्रीनाथ जी के दर्शन के बाद युवाचार्य विशाल बावा ने परिवार के सदस्यों को फेंटा बांधकर, रजाई एवं ऊपरना ओढ़ाकर प्रसाद और आशीर्वाद दिया। परिवार ने युवाचार्य गोस्वामी विशाल बावा के पिता तिलकायत गोस्वामी इंद्रदमन महाराज और मा राजेश्वरी गोस्वामी से वीडियो कॉल पर आशीर्वाद प्राप्त किया। तिलकायत ने कोकिला बेन अंबानी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। अंबानी परिवार ढाई घंटे तक मंदिर

में रहा। कोकिला बेन के जन्मदिन पर मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, आकाश अंबानी, अनंत अंबानी, श्लोका मेहता अंबानी, राधिका अंबानी, अंशुल अंबानी, अनमोल अंबानी, नीना कोठारी, दीप्ती सालगांवकर सहित परिवारजन मौजूद रहे। उनके साथ उद्योगपति धनराज नाथवानी भी मौजूद रहे। बता दें कि कोकिला बेन अंबानी मंदिर मंडल नाथद्वारा की उपाध्यक्ष भी हैं। इस अवसर पर महाप्रभुजी की बैठक में 51 वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन और मंगलाचरण के पाठ किए गए। मोती महल चौक में भजन संध्या का आयोजन कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96